Nora Fatehi On Being...

Ranchi ● Monday, 28 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 103 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 121वें एपिसोड का किया गया प्रसारण, प्रधानमंत्री मोदी ने मृतकों को याद कर दी श्रद्धांजिल

हमले के बाद खौल रहा देश का खून, नहीं बचेंगे साजिश रचने वाले : पीएम

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो शो 'मन की बात' के 121वें एपिसोड के प्रारंभ में पहलगाम में मारे गए लोगों को याद करते हुए किया। उन्होंने कहा– इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। पूरे विश्व ने संवेदना प्रकट की है। पहलगाम में आतंकी हमले से देश के लोगों का खून खौल रहा है। पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा। मोदी ने कहा- कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेज अच्छे से चल रहे थे, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया।

हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स लॉन्च कर दुनिया में बनाया है रिकॉर्ड चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचने वाला वर्ल्ड का पहला देश बन चुका है भारत



पूर्व इसरो चीफ डॉ. कस्त्ररीरंगन को श्रद्धांजलि

पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत जिन उपग्रहों का उपयोग करता है, उनमें से कई डॉ. कस्तूरीरंगन की देखरेख में लॉन्च किए गए थे। उनका व्यक्तित्व खास था और युवा पीढ़ी उनके कार्यों से बहुत कुछ सीख कती है। उन्होंने हमेशा नवाचार को महत्व दिया। नया सीखने, जानने और कुछ नया करने का उनका

22 भाषाओं में प्रसारित होता है यह कार्यक्रम

बता दें कि मन की बात को 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा ११ विदेशी भाषाओं में भी ब्रॉडकॉस्ट किया जाता है। इनमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। मन की बात की ब्रॉडकास्टिंग आकाशवाणी के 500 से अधिक ब्रॉडकास्टिंग सेंटर द्वारा

किया जाता है। पहले एपिसोड की 🛭 टाइम लिमिट १४ मिनट थी। जून 2015 में इसे बढ़ाकर 30 मिनट कर दिया

भारत के युवाओं ने दुनिया का नजरिया बदला

मोदी ने भारत के युवाओं की प्रतिभा की बात करते हुए कहा– भारत के युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है। भारत का युवा, साइंस और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे इलाके, जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और दूसरे कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं, जो हमें, नया विश्वास देते हैं। मोदी ने कहा कि भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा कंपनी काम कर रहे हैं। पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप को लेकर कहा- भूकंप की खौफनाक तस्वीरें आपने जरूर देखी होंगी। भूकंप से वहां बहुत बड़ी तबाही आई, मलबे में फंसे लोगों के लिए एक-एक सांस, एक-



एक पल कीमती था। इसलिए भारत ने म्यांमार के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया। प्रधानमंत्री नाम अपने संबोधन में कहा कि प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए मोबाइल एप 'सचेत' की बात की। कहा– ये एप आपको किसी प्राकृतिक आपदा में फंसने से बचा सकते हैं।

9,180 चांदी 112.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS पीडित परिवारों को 4 माह

का देंगे वेतन : इरफान RANCHI: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों का हमला हुआ था। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इन मारे गए पर्यटकों को लेकर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने बड़ी घोषणा की है।

उन्होंने पहलगाम के शहीदों को अपना

4 महीने का वेतन देने का एलान किया

है। इस घोषणा को उन्होंने शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि बताया है। सोशल मीडिया पर इरफान अंसारी ने लिखा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किया गया हमला न केवल मानवता पर हमला है, बिल्क उन्होंने भारत की आत्मा और प्रत्येक भारतवासी पर हमला किया है। इस घटना ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया है। मैंने फैसला लिया है कि शहीद परिवारों को मैं अपने 4 महीने का वेतन श्रद्धांजलि के तौर पर दूंगा। यह मेरा फर्ज है कि मैं पीड़ित परिवारों के इस दुख में उनके साथ खड़ा रह सकूं। शहीदों का बलिदान अमुल्य है। परिवारों

भीषण आग की चपेट में आकर दो बच्चों की मौत

के साथ मेरी पूरी संवेदनाएं हैं।

NEW DELHI: रविवार को राजधानी दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-17 स्थित श्रीनिकेतन अपार्टमेंट के पास झुग्गी बस्ती में भीषण आग लग गई। आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। इसमें दो मासूम बच्चों- 10 वर्षीय शिवम और 8 वर्षीय रिया की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में लगभग १५० झुग्गियां पूरी तरह से जलकर राख हो गईं और 800 झुग्गियों पर भी खतरा मंडराने लगा। आग इतनी भयावह थी कि झुग्गियों में उपयोग किए जा रहे छोटे गैस सिलेंडरों के विस्फोटों ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया। विस्फोटों की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आसपास के पेंड भी आग की चपेट में आकर झुलस गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दमकल विभाग की गाड़ियां देरी से मौके पर पहुंची। गुस्साए लोगों ने एक फायर टेंडर का शीशा तोड़ दिया। उनका कहना है कि यदि समय पर राहत पहुंचती, तो जान-माल का नुकसान कम हो सकता था।

पहलगाम आतकी हमला : किश्तवाड़ में आर्मी यूनिफॉर्म रखने, सिलने-बेचने पर रोक

एनआईए ने जम्मू में दर्ज किया केस

AGENCY SRINAGAR:

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद से घाटी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम आतंकी हमला मामले में रविवार को जम्मू में केस दर्ज कर लिया है। इसमें सर्चिंग में मिले सब्तों और चश्मदीदों के बयानों को आधार बनाया गया है। इस बीच, पर्व आर्मी चीफ वीके सिंह ने कहा कि पहलगाम मामले पर सरकार एक्शन ले रही है। धैर्य बनाए रखें। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि कोई भी खुफिया सिस्टम फुलप्रुफ नहीं होता। इजराइली एजेंसियों को भी हमास के अटैक का पता नहीं चला था। इधर, किश्तवाड़ में जिला प्रशासन ने सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर बैन लगा दी है। यह में रखते हुए उठाया गया है। यह रखने के लिए लागू किया गया है। रखेंगी। इस बीच सुरक्षाबलों ने

अरब सागर में एंटी शिप फायरिंग ड्रिल

दूसरी ओर नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी शिप फायरिंग ड्रिल की। खास बात यह है कि इस दौरान दागीं गई मिसाइलों से सटीक निशाना लगाया जा सकता है। नौसेना ने कहा कि हम देश की समुद्री सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं पाकिस्तान ने लगातार तीसरे दिन शनिवार रात एलओसी पर फायरिंग की। ये फायरिंग ट्रमारी गली और रामपुर सेक्टर पर की गई। भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की। जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेंटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आतंकियों और आम लोगों में अंतर है। सरकार को इन दोनों में सावधानी बरतनी चाहिए। जो लोग आतंक का विरोध कर रहे हैं, उन्हें निशाना नहीं बनाना चाहिए।

तीन दिनों में ब्लास्ट आतंकियों के घर

दिल्ली में इंटेलिजेंस ब्यूरो से उड़ा दिए गए हैं १० 🖒 ने की करीब ५ हजार पाक 🖒 अफसरों समेत ६२९ नागरिकों की पहचान

सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी, अज्ञात हमलावर ने कुपवाड़ा में एक सिविलियन को मारी गोली



2 दिनों में भारत छोड़ चुके २७२ पाकिस्तानी नागरिक

नई दिल्ली : पिछले दो दिनों में अटारी-वाघा सीमा से २७७ पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड चुके हैं। वहीं 13 राजनियकों और अधिकारियों समेत<u> 629</u> भारतीय पंजाब स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा से भारत

लौटे हैं। सार्क वीजा रखने वालों के लिए भारत छोडने की समयसीमा २६ अप्रैल ही थी। ऐसे पाकिस्तानी नागरिक, जो मेडिकल वीजा पर भारत आए थे, उन्हें २९ अप्रैल तक जाना होगा।

भारतीय पाकिस्तान से लौटे

अबतक १३ डिप्लोमैट-

पाकिस्तानी सेना ने की फायरिंग भारतीय जवानों ने दिया जवाब

कुपवाडा में पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए शनिवार देर रात नियंत्रण रेखा के पार कुपवाड़ा जिले के उड़ी में तुतमारी गली और रामपुर स्वेटर के विपरीत इलाकों में छोटे हथियारों से गोलीबारी की। इसका भारतीय सेना ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

दिल्ली पुलिस को सौंपी गई 🛭 पब्लिक सेफ्टी एक्ट पाक नागरिकों की लिस्ट इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने राजधानी में रह रहे करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की सूची दिल्ली पुलिस को सौंप दी है, ताकि इन लोगों को वापस पाकिस्तान भेजा जा सके। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण

में दो संदिग्ध अरेस्ट बडगाम में पुलिस ने आतंकियों से जुड़े दो संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर्स को पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए के तहत हिरासत में लिया है।

ने 45 साल के गलाम रसल मगरे

के नेतृत्व में एनआईए की कई टीमें बनाई गई है। एनआईए ने बैसरन घाटी पहुंच घटनास्थल की जांच भी शरू कर दी है। आतंकियों के घाटी में घुसने और बाहर निकलने वाली जगहों की तलाश की जा रही है। इस दौरान

एनआईए ने चश्मदीदों

से शुरू की पूछताछ

(एनआईए) ने पहलगाम हमले की

जांच शुरू कर दी है। एजेंसी पहले

घटना के चश्मदीदों से पूछताछ कर

रही है। डीआईजी, आईजी और एसपी

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी

फोरेंसिक टीम की सहायता भी ली जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी भले ही लश्कर-ए-तैयबा की विंग द रजिस्टेंस फ्रांट (एनआईए) ने ली हो, लेकिन इसकी साजिश में फिलिस्तीन का आतंकी संगठन हमास भी शामिल था। एनआईए के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पष्टि की है। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले की तैयारी और तरीका हमास से मिलता-जुलता है।

खास इलाके में अज्ञात हमलावर को उनके घर पर गोली मारकर

मौसम ने बदला मिजाज, बादल व तेज हवाओं ने गर्मी से दिलाई राहत

कदम इलाके की सुरक्षा को ध्यान नियम शांति और सुरक्षा बनाए सुरक्षा एजेंसियां इस पर नजर कश्मीर घाटी में पिछले तीन दिनों

कई शहरों का 5 से 6 डिग्री तक गिरा तापमान

PHOTON NEWS RANCHI:

रविवार को मौसम विभाग के पवार्नमान के अनुसार राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में मौसम ने एक बार फिर करवट ली। अचानक मौसम का मिजाज बदला और आकाश में बादल छा गए। साथ ही तेज गति से ठंडी हवाएं चलने लगी इसके कारण अधिकतम तापमान में गिरावट आई और लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत मिली। रविवार को रांची

सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को यह ३९ डिग्री सेल्सियस था। इस प्रकार यहां अधिकतम तापमान में 8 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। इसी तरह अन्य शहरों के तापमान में 5 से 6 डिग्री की कमी दर्ज की गई।

में अधिकतम तापमान ३१ डिग्री

रांची के मैक्सिमम टेंपरेचर में ८ डिग्री सेल्सियस की आई कमी अगले कुछ दिनों तक

ऐसा ही रहेगा मौसम झारखंड में अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज इसी प्रकार का बना रहेगा। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक और

तेज हवा के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 2 मई तक राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। २९ अप्रैल तक राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है।



वज्रपात की आशंका

मौसम विभाग की मानें तो २९ अपैल को भी पश्चिमी और दक्षिणी झारखंड के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ वज्रपात की आशंका है। इस दौरान 50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी। 30 अप्रैल से 2 मई तक गरज के साथ बारिश का -सिलंसिला जारी रह सकता है। खासकर दक्षिण झारखंड और दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में भारी वर्षा की संभावना भी जताई गई है। अधिकतम तापमान ३२ डिग्री और

न्यूनतम तापमान २२ डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है।

मंदसौर में बाइक से टकरा कर कुएं में गिरी वैन,१० लोगों की मौत. ४ घायल

MANDSAUR: रविवार को

उड़ा दिए हैं। कुपवाड़ा के कंडी

मध्य प्रदेश के मंदसौर में ईको वैन बाइक से टकराकर कुएं में गिर गई। हादसे में बाइक सवार सहित 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कार सवारों को बचाने के लिए कुएं में उतरा ग्रामीण मनोहर सिंह भी शामिल है। शवों को कुएं से निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची। टीम रस्सियों के सहारे कुएं में उतरी। क्रेन की मदद से वैन को निकाल लिया गया। घायलों में शामिल 3 साल की बच्ची समेत चार लोगों को रेस्क्यू करके मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार की पहचान आबाखेड़ी निवासी गोबर सिंह के तौर पर हुई है। हादसा जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में बूढ़ा–टकरावत फंटे में रविवार दोपहर करीब सवा एक बजे हुआ। वैन में 10 से ज्यादा लोग सवार थे, जो उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। मौके पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कलेक्टर अदिति गर्ग, एसपी अभिषेक आनंद, एडिशनल एसपी गौतम सोलंकी, एसडीओपी नरेंद्र सीएम जगदीश देवडा ने बताया कि इस हादसे में कुल 13 लोग शामिल

बवाल के बाद नीमडीह से अपहृत युवती बरामद एक अरेस्ट, इंटरनेट बंद



झिमड़ी में दो समुदायों के बीच झडप के बाद पांच गांवों में निषेधाज्ञा लागू

के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार राय ने इस आशय की अधिसूचना जारी की, जो झिमड़ी और आसपास के गांवों में तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। क्षेत्र में इंटरनेट सेवा भी बंद कर दी गई है।

पुलिस फोर्स तैनात, जगह-जगह हो रही गश्ती

अब गांव में स्थिति सामान्य है। सुरक्षा बल के जवान गांव की गलियों में गश्त कर रहे हैं। कई थानों की पुलिस फोर्स भी तैनात किया गया है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार गांव का दौरा कर हालात पर निगाह रखे हुए हैं। तनाव खत्म करने के लिए जिला प्रशासन दोनों समुदाय के लोगों के संपर्क में है। ताकि, भविष्य में किसी भी तरह की कोई घटना से बचा जा सके। जारी अधिसूचना के अनुसार, निषेधाज्ञा का क्षेत्र उत्तर में

रविवार को बरामद कर लिया है।

युवती को बरामद करने के साथ

ही पुलिस ने आरोपी युवक

तस्लीम अंसारी को भी गिरफ्तार

कर लिया है। पुलिस ने तस्लीम

अंसारी से पूछताछ की है। इसके

बाद आरोपी को जेल भेज दिया

गया है। गौरतलब है कि अपहरण

की इस घटना के विरोध में झिमड़ी

के कुमडीह गांव में शनिवार को

बवाल हो गया था। इसके बाद

प्रशासन ने झिमड़ी गांव में दो

समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प

सिंदूरपुर, दक्षिण में मुरु, पूर्व में लाकडी और पश्चिम में किशुनडीह गांव तक फैला रहेगा। इस दौरान पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस, धरना, रैली, ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग, हथियार लेकर चलने या उनके प्रयोग पर पूर्णत प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, इस निषेधाज्ञा में कुछ आवश्यक सेवाओं और गतिविधियों को छूट दी गई है।

निरंतर प्रयास के बाद जर्मनी से आगे निकलने में मिली सफलता नया कीर्तिमान

सोलर और विंड एनर्जी का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना भारत

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विविध क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की ख्याति और उपलब्धि में लगातार वृद्धि हो रही है। नवाचार और नई तकनीक के दम पर देश नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और इन्फ्रास्ट्रक्रर के साथ नवीन ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में यह कीर्तिमान गौरवान्वित करने वाला है। हाल ही में ग्लोबल एनर्जी थिंक टैंक एंबेर ग्लोबल इलेक्ट्रिसटी रिव्यू के छटे संस्करण की रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। इसके अनुसार, ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भारत ने एक और कीर्तिमान रच दिया है। निरंतर प्रयास के बाद भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर और पवन ऊर्जा उत्पादक देश बन

गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत

किया। इससे चीन और अमेरिका के बाद भारत

ने साल 2024 में दुनिया के कुल सौर और

पवन ऊर्जा उत्पादन का १५ प्रतिशत उत्पादन

तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है।

माध्यम से २२ प्रतिशत ऊर्जा का कि<u>या</u> ग<u>या</u>

उत्पादन में जलविद्युत ऊर्जा ने सबसे अधिक ८ प्रतिशत का दिया

रिपोर्ट से यह जानकारी मिलती पवन व सौर ऊर्जा ने है कि नवीकरणीय और परमाणु मिलकर 10 फीसद का ऊर्जा सहित कम कार्बन वाले स्रोतों को मिलाकर साल 2024 उत्पादन में दिया में दुनिया की ४०.९ प्रतिशत बिजली का उत्पादन हुआ। यह

2024 में दुनिया के कुल उत्पादन में 15 प्रतिशत रहा योगदान

ग्लोबल एनर्जी थिंक टैंक एंबेर इलेक्ट्रिसटी रिव्यू की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नवीकरणीय व परमाणु ऊर्जा सहित कम कार्बन वाले स्रोतों से बिजली उत्पादन पर फोकस

परमाणु ऊर्जा ने पार किया ४०% का आंकड़ा साल 1940 के बाद पहली बार हुआ, जब परमाणु ऊर्जा उत्पादन ने ४० प्रतिशत का आंकडा पार किया। भारत में स्वच्छ स्रोतों से 22 प्रतिशत ऊर्जा का उत्पादन हुआ। यह लगातार 20वें वर्ष सबसे तेजी

सौर ऊर्जा उत्पादन में अपेक्षा से अधिक वृद्धि

जलविद्युत ऊर्जा ने सबसे अधिक ८ प्रतिशत का योगदान दिया, जबिक पवन और सौर ऊर्जा ने मिलकर १० प्रतिशत का योगदान दिया। वैश्वक स्तर पर साल 2024 में रिकॉर्ड 858 टेरावाट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन हुआ। यह साल २०२२ में पिछले रिकॉर्ड से ४९ प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट बताती है कि सौर ऊर्जा लगातार तीसरे वर्ष बिजली का सबसे बड़ा स्रोत रही। इसने 2024 में 474 टेरावाट घंटे जोड़े।

से बढ़ने वाला बिजली स्रोत भी रहा। केवल तीन वर्षों में वैश्वक सौर ऊर्जा उत्पादन दोगुना होकर कुल बिजली उत्पादन का 6.9 प्रतिशत हो गया। भारत में भी सौर ऊर्जा में तेजी से वृद्धि देखी गई। 2024 में सौर ऊर्जा ने देश की बिजली में 7 प्रतिशत का योगदान दिया। साल २०२१ से उत्पादन बढ़कर दोगुना हो गया। भारत ने 2024 में भारत 24 गीगावाट सौर क्षमता जोडी, जो 2023 में जोड़े गए जोड़ से दोगूने से भी अधिक है।

सोलंकी मौके पर पहुंचे। डिप्टी थे, जिनमें दो बच्चे भी थे। पहले बच्चों को निकालकर अस्पताल भेजा गया।

BRIEF NEWS

एसपी ने महिला थाना प्रभारी को किया सस्पेंड RAMGARH: रामगढ़ शहर के नईसराय, महतो टोला में पायल कुमारी के साथ लैंगिक अपराध हुआ था। इस मामले की जांच में महिला थाना प्रभारी श्वेता कुजुर ने भारी लापरवाही बरती थी। एसपी अजय कुमार के दिए गए निदेशों का भी अनुपालन नहीं कर पाई थी। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने इस लापरवाही को बेहद गंभीर आरोप माना है। उन्होंने रविवार को स्पष्ट कर दिया कि आवेदिका के आवेदन की जांच में शिथिलता बरती गई। इसकी वजह से पायल ने अपने शरीर में आग लगा ली। इस मामले में उन्होंने महिला थाना प्रभारी श्वेता कुजुर को निलंबित कर दिया है। एसपी अजय कमार ने बताया कि पायल कमारी के बयान पर 24 अप्रैल को महिला थाना में कांड संख्या 6/25 दर्ज किया गया था। बीएनएस की धारा 69, 352, 115 (2), 61(2) धारा के तहत सुमित कुमार, पप्पू सिंह, आलोक सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। सभी वेस्ट बोकारो ओपी के डाइवर हार्ट के रहने वाले हैं। उन तीनों लोगों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने विशेष टीम का गठन किया। जांच टीम गठित टीम के द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए बिहार राज्य के बाढ़ और दानापर तथा रामगढ जिले के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। मख्य आरोपित सुमित कुमार, पप्पू सिंह और आलोक सिंह को रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस वर्दी में पहुंचे अपराधियों ने की लूटपाट

DUMKA: जिला के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के बंदरी गांव में पुलिस की वर्दी में पिस्तौल की नोंक पर लूटपाट का मामला सामने आया है। मिली



करीब दस की संख्या में

कब्जे में लिया और लटपाट की घटना को अंजाम दे चलते बने। गह स्वामी के अनुसार घर से करीब 35 हजार रुपए नगद, 50 भर चांदी के जेवरात सिहत करीब दो लाख रुपए मल्य के सामनों की लटपाट हुई है। लटपाट के दौरान जब वर्दी धारियों ने घर के लोगों को कब्जे में लिया तब उनलोगों ने अपने आप को पुलिस पदाधिकारी बताया था। साथ वे लोग गाली गलौज भी कर रहे थे। मामलें को लेकर सरैयाहाट थाना में आवेदन देकर लिखित

प्रेस क्लब ने निकाला कैंडल मार्च, दी श्रद्धांजलि



RAMGARH: पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में प्रेस क्लब रामगढ़ के तत्वाधान में रविवार की शाम कैंडल मार्च निकाला गया। प्रेस क्लब भवन से रामगढ़ जिले के पत्रकार कैंडल लेकर निकले और सुभाष चौक तक पहुंचे। सुभाष चौक पर 2 मिनट का मौन रखकर आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार बीरू ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरे देश की जनता आक्रोशित है। जम्मू कश्मीर में शांति के लिए भारत सरकार ने पहल की, उस स्थान पर एक बार फिर आतंकियों ने खून बहाया है। पाकिस्तान की धरती से भारत में घुसे आतंकियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर भारत का मस्तक है। आज उस मस्तक पर धर्म पूछ कर हमला किया गया है। भारत पहले से ही शांति

कारों से हो रही थी नकली शराब की ढुलाई, तीन तस्कर किए गए गिरफ्तार

हजारीबाग से बिहार के हाजीपुर सहित वैशाली जिला में हो रही थी तस्करी

तस्करी अलग-अलग तरीके से होती रही है। इस बार रामगढ़ पुलिस ने एक ऐसे शराब तस्कर गिरोह को पकड़ा है, जो स्कॉर्पियो और वैगन-आर जैसी गाड़ियों से अवैध कारोबार कर रहा था। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस अवैध कारोबार

उन्होंने बताया कि तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार भी किया गया है। साथ ही स्कॉर्पियो और वैगन-आर कार जब्त की गई है। एसपी ने बताया कि रविवार को उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि सफेद रंग की स्कॉर्पियो से नकली शराब हजारीबाग होते



बरामद शराब के साथ आरोपी व मामले की जानकारी देते एसपी अजय कुमार

वैशाली जिला में ले जाया जा

पडने वाले सभी थाना और ओप

बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर प्रभारी को विशेष जांच अभियान

कुजू के नया मोड़ पर पकड़ा गया वाहन

मांडू इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा के नेतृत्व में कुजू ओपी प्रभारी मो नौशाद ने नया मोड़ के सामने एक सफेद रंग के स्कॉर्पियो (बीआर 06 पी 2663) को रुकने का इशारा किया । लेकिन चालक पुलिस बल को देखकर तेजी से भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उस स्कॉर्पियो को पकड़ा। पूछताछ के दौरान स्कॉर्पियो ड्राइवर ने अपना नाम मो इस्लाम उर्फ राजा बतायाँ। वह बिहार राज्य के वैशाली जिला अंतर्गत मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें 25 पेटी रॉयल चैलेंज शराब बरामद की गई। हर पेटी में 750 एमएल की 12 बोतलें थी। कल ३०० बोतल अवैध शराब किया गया।

चालक ने बताया वैगन-आर कार में भी मिलेगी शराब

स्कॉर्पियो ड्राइवर इस्लाम उर्फ राजा से पुलिस ने पूछताछ की तो उसने वैगन-आर कार के बारे में भी जानकारी दी। उसने बताया कि उसके पीछे से बीआर (06 बीए 0716) वैगन आर कार भी आ रही है। जिसमें संजीव कुमार सिंह और अभिषेक कुमार मौजूद हैं। उन लोगों के जरिये भी नकली शराब की तस्करी की जा रही है। वाहन जांच के दौरान कुछ देर में वह कार भी नया मोड पहुंच गई। पुलिस ने उसे भी रोका और दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों में वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रतापटांड निवासी संजीव कुमार सिंह और अभिषेक कुमार शामिल थे। उसे गाड़ी से भी पुलिस को पांच पेटी रॉयल चैलेंज की बोतलें मिली। पुलिस ने कुल 60 बोतलें उस गाड़ी से बरामद की।

संजीव सिंह ही करता था तस्करी का धंधा

एसपी अजय कुमार ने बताया कि शराब तस्करी के अवैध कारोबार का मुख्य सरगना संजीव कुमार सिंह ही है। वह पहले भी कई बार शराब की तस्करी कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि दो–तीन अलग–अलग गाड़ियों से उसकी टीम हाईवे पर निगरानी करती थी। आगे चलने वाली गाड़ी पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी और अन्य गाड़ियों पर निगाह रखती थी। अगर कहीं भी वाहन जांच अभियान

संदिग्ध अवस्था में वृद्ध दंपती के शव बरामद

LATEHAR: पुलिस ने जिले के बारियात् थाना क्षेत्र अंतर्गत हेसला गांव से रविवार को वृद्ध दंपती का शव संदिग्ध अवस्था में घर से बरामद किया है। हालांकि दोनों की मौत कैसे हुई, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम पूरे मामले की छानबीन कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार हेसला गांव निवासी प्रसाधी साव (72) और उसकी पत्नी करमी देवी (65) अपने बेटों से अलग दुसरे घर में रहते थे। बताया जाता है कि शनिवार रात में दोनों खाना खाकर के सो गए थे । परंतु रविवार को जब उनका पुत्र घर के अंदर गया तो देखा कि दोनों का शव घर के अंदर बेड के पास पड़ा हुआ है। मृतक के बेटे ने दोनों को बालुमाथ पहुंचाया



को मृत घोषित कर दिया । यहां सबसे अहम बात यह है कि दोनों मृतकों के हाथों में सिंदुर लगा हुआ था। इधर मृतक के पुत्र ने कहा कि घर में ना कोई झगड़ा हुआ था और ना ही उनके परिवार से किसी की कोई दुश्मनी थी। इस संबंध में थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि दोनों मृतकों के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हर बिंदु को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा

अस्पताल में रखे शव

करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि ऐसे शिक्षक जिनका

झारखंड के शिक्षा विभाग का बड़ा एक्शन

डेपुटेशन पर शहरों में तैनात शिक्षकों के लिए बजी खतरे की घटी, डायरेक्टर ने मांगी रिपोर्ट

झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत संचालित माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए गए पत्र के बाद राज्य के शिक्षा जगत में हड़कंप मच गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र भेजकर एक रिपोर्ट की मांग की गई। पत्र में यह बताने के लिए कहा गया है कि मूल पदस्थापन ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ है, लेकिन वह लंबे समय से शहरों के विद्यालय में अपनी (प्रतिनियोजन) पर कार्यरत हैं। सेवाएं दे रहे हैं। संबंधित शिक्षकों के लिए यह खतरे की घंटी हो संबंधित जानकारी 7 दिनों के अंदर मुख्यालय को उपलब्ध सकती है। मांगे गए विवरण में शिक्षकों के नाम के साथ मूल



पदस्थापित विद्यालय का नाम और विवरण उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। संबंधित पत्र के आलोक में अधिकांश जिलों में विद्यालय का नाम, वर्तमान में जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय

लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं माध्यमिक शिक्षा निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशक का पदभार संभालने के बाद आईएएस राजेश प्रसाद राज्य की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार प्रयास कर

व्यवस्था को पटरी पर लाने के

रहे हैं। इसके तहत शिक्षकों के वेतन भुगतान से लेकर अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्ति प्रक्रिया के संचालक सहित सभी अहम गतिविधियों पर उनकी पैनी नजर है। माना जा रहा है कि स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले विभाग की ओर से समुचित जानकारी जुटाई जा रही है।

की तरफ से सभी विद्यालयों को पत्र भेजकर इसका विवरण यथाशीघ्र विभाग को उपलब्ध

स्कूलों में पढ़ाई सुधारने के लिए शिक्षा विमाग ने जारी किए नए निर्देश

लगातार तीन दिन देरी से आए शिक्षक तो माना जाएगा एक दिन का अवकाश, कटेगा वेतन

सरकारी प्राथमिक, हाई और प्लस-2 स्कलों के संचालन को

लेकर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सचिव उमा शंकर सिंह ने डीईओ और डीएसई को पत्र लिखकर कहा है कि स्कूलों में पठन-पाठन और गणवत्तापर्ण शिक्षा से जुड़ी गतिविधियां सुचारू रूप से चलें। कक्षाएं समय पर हों और शिक्षक समय पर उपस्थित रहें। लगातार तीन दिन देरी से उपस्थिति पर एक आकस्मिक अवकाश माना जाएगा।

प्रार्थना सभा के अंत में दैनिक समाचार वाचन, करंट अफेयर्स, शॉर्ट मोरल स्टोरी (अंग्रेजी), मादक पदार्थों के दुरुपयोग रोकने,



सड़क सुरक्षा और पर्यावरण पर जागरूकता के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा। सत्र के पहले महीने में बेसिक नॉलेज के तौर पर रीडिंग, राइटिंग और अरिथमेटिक की कक्षाएं कराई जाएंगी। प्रवेश कक्षा में नामांकन के लिए हर साल पोषक क्षेत्र के परिवारों को जानकारी दी

स्कूल स्तर पर होगा मूल्यांकन

स्कल स्तर पर परीक्षा और अंतर विद्यालय स्तर पर मल्यांकन होगा। स्कुलों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और प्रयोगशाला संचालित की जाएंगी। हर माह के प्रथम और द्वितीय शनिवार को हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत की व्याकरण और गणित, विज्ञान की एक–एक घंटी होगी। वाद–विवाद, पेंटिंग, क्राफ्ट, क्विज, कर्सिव राइटिंग, गायन, गेम्स और सांस्कृतिक गतिविधियां कराई जाएंगी। जेसीईआरटी द्वारा कक्षा १ से १२ तंक का एसए–१ और एसए–२ स्कूल स्तर पर होगा। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन जिले में अंतर विद्यालय स्तर पर किया जाएगा। 10वीं और 12वीं कें लिए प्री टेस्ट 1 दिसंबर और प्री टेस्ट 2 जनवरी में होंगे।

परीक्षा परिणाम की जिम्मेदारी प्रधानाध्यापक और विषय शिक्षक की होगी। यदि 20% से अधिक विद्यार्थी असफल रहे तो विभागीय और अनुशासनिक कार्रवाई होगी। विद्यार्थियों की उपस्थिति. परीक्षाएं, रेमेडियल क्लास और प्रदर्शन को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों का जाएगी। विद्यार्थियों के खराब प्रदर्शन बेहतर हो, इसके लिए

एचएम शिक्षकों की सहायता से रूटीन बनाएंगे। डीईओ और डीएसई स्कलों का नियमित निरीक्षण करेंगे। हर माह 75% से कम उपस्थिति वाले छात्राओं के अभिभावकों को प्रधानाध्यापक नोटिस भेजेंगे। निरीक्षण के बाद रिपोर्ट डीसी. निदेशक और परियोजना निदेशक

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार नाबालिंग की मौत



GHATSILA : गालूडीह थाना क्षेत्र के केसरपुर सडक पर हलुदबनी गांव में रविवार शाम को अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार नाबालिंग की मौत हो गई। घुमावदार पुल के समीप घायल 12 वर्षीय नाबालिंग को पुलिस की मदद से अनुमंडल अस्पताल घाटशिला लाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मत घोषित कर दिया। हर्षित राज नामक नाबालिंग का शव अनुमंडल अस्पताल के पोस्टमार्टम गृह में रखा गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गालूडीह धर्मशाला के पीछे रहने वाले जनार्दन यादव का नाती हर्षित राज यादव अपने दो दोस्तों के साथ बाइक से केसरपुर की ओर घूमने गया था। घटना के बाद दोनों दोस्त का पता नहीं चल पाया है। हर्षित राज अपने नाना के घर गालूडीह में रहता था। वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला था।

राशन कार्डधारियों के लिए आज व कल लगेगा विशेष शिविर

पलामू जिले के राशन कार्डधारियों के लिये 30 अप्रैल तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। आगामी तीन दिनों में यह मियाद पूरी होने वाली है, लेकिन अबतक 71.04 प्रतिशत ही ई-केवाईसी पर्ण हो पाई है। वर्तमान में 28.96 प्रतिशत लाभक परिवार के सदस्य ऐसे हैं, जिनका ई-केवाईसी लंबित है। इसमें पीवीटीजी परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 अंतर्गत सोना-सोबरन धोती-साडी एवं लुंगी का वितरण भी 30 अप्रैल तक शत प्रतिशत कर लिया जाना है, लेकिन अबतक 86.61 प्रतिशत ही वितरण हो पाया है। उपरोक्त दोनों ही कार्यों का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने को लेकर विशेष कैंप आयोजित करने का



निर्णय लिया गया है। सभी राशन डीलरों को ई-केवाईसी पर्ण किये जाने और धोती-साड़ी के वितरण से संबंधित सूची उपलब्ध करा दिया गया है। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी 28 और 29 अप्रैल को पंचायत एवं वार्डवार पंचायत भवन तथा निकाय क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक भवन में विशेष कैंप आयोजित कर प्राप्त सूची के अनुसार लाभुकों का ई-केवाईसी

साथ ही वस्त्र वितरण का कार्य करेंगे इस दौरान संबंधित जन वितरण प्रणाली विक्रेता अपनी ईपॉश मशीन के साथ उपलब्ध रहेंगे। वही कैंप के आयोजन के पूर्व जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के माध्यम से लाभुकों के बीच कैंप आयोजित होने से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। जिले के उपायुक्त शिश रंजन ने रविवार इस संबंध में

खूंटी की महादेव टोली में चली गोली, छात्र घायल

KHUNTI: शहर के घनी आबादी वाले महादेव टोली मोहल्ले के समीप रविवार को महादेव टोली निवासी कृष्णा नायक के 14 वर्षीय पुत्र कुणाल नायक पर मोहल्ले के ही शिवा नायक नामक युवक ने जान मारने की नीयत से गोली चला दी। यह तो गनीमत रही कि गोली कुणाल नायक के बाएं हाथ की कोहनी में लगी। इससे उसकी जान बच गई। दिनदहाड़े इस सनसनीखेज गोलीकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली चालन की घटना में गंभीर रूप से घायल कुणाल नायक को आसपास मौजूद लोग तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सीटी स्कैन के लिए उसे शहर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही खुंटी एसडीपीओ वरुण रजक अस्पताल पहुंचे और घायल

किशोर और उसके परिजनों से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार खूंटी थाना के सामने अवस्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में छठी कक्षा का विद्यार्थी कुणाल नायक रविवार सुबह सोकर उठने के बाद शिवालय रोड की ओर टहलने आया था। शिवालय रोड में पहले से आरोपित शिवा नायक अपने दोस्त अभी नायक के साथ मौजूद था। कुणाल को देखते ही शिवा ने उसे अपने पास बुलाया और किसी बात पर पिस्तौल निकाल कर कुणाल पर गोली चला दी। गोली चलते ही आसपास मौजूद लोगों के बीच अपरा तफरी मच गई जिसका फायदा उठाकर आरोपित मौके से फरार हो गया। खुंटी एसडीपीओ वरुण रजक ने बताया कि पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है। साथ ही आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी जारी है।

रिपोर्ट के बाद जिला महामारी रोग नियंत्रण विभाग की ओर से बांटी जा रही दवा

चिकन पॉक्स से संक्रमित मिले 10 लोग

PHOTON NEWS DHANBAD: जिले में एक बार फिर से चिकन पॉक्स के मामले बढ़ने लगे हैं। पिछले दिनों टुंडी और झरिया में मिले संदिग्ध मरीजों की पृष्टि हो गई है। रिम्स रांची ने सैंपल की जांच के बाद इसकी रिपोर्ट धनबाद स्वास्थ्य विभाग को भेजी है। रिपोर्ट आने के बाद जिला महामारी नियंत्रण रोग विभाग हरकत में आ गया है। इन मरीजों को विभाग की ओर से जागरूक किया गया है और उन्हें दवा

इसके साथ ही धनसार थाना के पथराकुली में 10 संदिग्ध मरीज मिले हैं। विभाग की ओर से इन सभी मरीजों को सैंपल के लिए रांची भेजा जाएगा। फिलहाल हमारी जो की ओर से चिकन पॉक्स को लेकर लोगों में जागरूकता अभियान चलाया जा

वितरित की गई है।



अब तक २१ लोग किए गए चिह्नित

स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकन पॉक्स के बढ़ते मामले को लेकर अब तक 21 लोग चिह्नित किए गए हैं। इसमें 10 की पृष्टि हो गई है। सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन ने बताया कि मामले को लेकर टीम बनाई गई है और यह टीम विभिन्न जगहों पर निरीक्षण कर रही है। उन्होंने बताया कि दो से लेकर 15 दिनों तक बुखार रहता है। बताया गया कि बच्चे, बड़ों से लेकर दो बुजुर्ग भी बीमारी से पीड़ित मिले हैं। इन पर निगरानी रखी जा रही है।

महामारी रोग नियंत्रण विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं

मजेदार बात यह है कि जिला महामारी रोग नियंत्रण विभाग के पास विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है। ऐसे में इसका जिम्मा होम्योपैथिक के डॉक्टर को दिया गया है। होम्योपैथिक डॉ. ऋतुराज अग्रवाल के सहारे पूरा जिला चल रहा है। जबकि, महामारी रोग के लिए एपिडेमियोलॉजी की जरूरत होती है। लेकिन, धनबाद में विशेषज्ञ नहीं होने के कारण होम्योपैथिक के डॉक्टर को इसके लिए रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग में मुख्यालय रांची से अलग से विशेषज्ञ की मांग की है।

त्रिदेव मंदिर की वर्षगांट पर निकाली गई कलश यात्रा



कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु

KHUNTI: मुरहू प्रखंड का राजा कुंजला गांव रविवार को सुबह हर-हर महादेव, जय श्रीराम, जब बजरंग बली जैसे जयकारों से गूंज उठा। राजा कुंजला गांव स्थित त्रिदेव मंदिर के दो दिवसीय वर्षगांठ समारोह के प्रथम दिन निकाली गई मंगल कलश यात्रा मंदिर परिसर से जैसें ही सैकेड़ों महिलाओं, बच्चियों और अन्य श्रद्धालुओं ने निकाली। पूरा कंजला गांव के अलावा तोरपा रोड जयकारों से गुंजने लगा। ग्राम अध्यक्ष काशीनाथ महतो और बेदेया पाहन के नेतृत्व में निकाली कलश यत्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर तोरपा रोड होते हुए बनई नदी तक गई। नदी में गंगा पूजन कें बाद कलशों में पवित्र जल भरा गया और कलश यात्रा वापस मंदिर तक पहुंची। मौके पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। भक्तों ने कलश यात्रा के दौरान ज़ुरदाग जाने वाले पथ में स्थित बनाई नदी में भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन किया। इस आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए । यात्रा के बाद दोपहर एक बजे से अखंड कीर्तन की शुरूआत की गई, जो लगातार 28 तक चलेगा। सोमवार को अपराह्न एक बजे इसका समापन होगा। दोपहर डेढ़ बजे हवन और पूणार्हुति के साथ वर्षगांठ समारोह का समापन हो जाएगा।













THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

Monday, 28 April 2025

O BRIEF NEWS ११०० से अधिक श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया भंडारे का प्रसाद

RANCHI: रविवार को रांची की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था पुरश्री रांची और राधा ड्रोलियी ग्रुप के सौजन्य से श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम टस्ट और स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 204वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 1100 से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर के प्रांगण में किया गया। आयोजन का नेतृत्व संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, सचिव मनोज कुमार चौधरी और संयोजक विशाल जालान ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत श्री राधा-कृष्ण और गुरु महाराज की प्रतिमा पर विधिपूर्वक चंदन वंदन और

भारतीय मजदूर संघ की दो दिवसीय बैठक संपन्न लिए गए कई निर्णय

आरती से की गई।

RANCHI: भारतीय मजदर संघ झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक रविवार को विशालाक्षी बैंक्विट हॉल रात रोड में सम्पन हुई। बैठक की शुरूआत में पहलगाम में हुए आतंकी घटना की संघ के झारखंड प्रदेश ने कड़ी निंदा की। साथ ही पहलगाम में आंतकी घटना में शहीद हुए नागरिकों के प्रति दो मिनट का श्रद्धांजलि सभा रखी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बलिराम यादव ने कहा कि संघ पूरे प्रदेश में मजदुरों के हित के लिए लगातार अच्छे पहल कर रही है। वहीं प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह ने इस बैठक मे मजदूरों के हित से जुड़े कई गंभीर समस्याओं को रखा। इसमे कोयला, एचईसी, साहिया, आंगनवाड़ी, ऑटो- ई रिक्शा, ठेका श्रमिक सहित अन्य कई विषयों पर भी चर्चा की गयी। इस दौरान भारत माता की जय बोल कर कई प्रस्ताव पारित किये गये। वहीं भारतीय मजदर संघ झारखंड प्रदेश में कार्य को गति देने के लिए दो

पदाधिकारियों का चयन किया गया। सिरमटोली फ्लाईओवर के रैंप निर्माण कार्य में अब आर्ड और तेजी

RANCHI: सिरमटोली में रैंप

बनाने को काम में तेजी आ गयी

है। पथ निर्माण विभाग इसे बनाने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। मई माह में फ्लाईओवर के सारे काम पूर्ण करके चालू करने का भी लक्ष्य रखा गया है। इंजीनियरों की भी पूरी टीम की तैनाती की गयी है। विभाग ने यातायात विंग के चीफ इंजीनियर मनोहर लाल सहित कई इंजीनियरों को विशेष रूप से इस कार्य में लगाया है ताकि योजना का काम समय पर पुरा किया जा सके। पथ डिवीजन रांची के इंजीनियरों के अलावा अन्य विंग के भी कार्यपालक अभियंताओं, अधीक्षण अभियंता को ड्यटी दी गयी है। रैंप बनाने में किसी विरोध का सामना न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन का भी सहयोग लिया जा रहा है, सारा कुछ ठीक रहा तो अगले एक सप्ताह में इसे बना दिया जायेगा।

बीपी, शुगर और मलेरिया समेत 10 तरह की जांच हो रही निःशुल्क

अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर में अब वैक्सीनेशन का भी हो गया इंतजाम

रांची नगर निगम और स्वास्थ्य

विभाग मिलकर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। वहीं लोगों को इलाज के साथ वैक्सीनेशन की भी सुविधा अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर में दी जा रही है। इसके तहत हफ्ते में एक दिन वैक्सीनेशन के लिए निर्धारित किया गया है। अब शहरी क्षेत्रों में लोगों को वैक्सीनेशन के लिए अलग-अलग अस्पतालों और केंद्रों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। रांची नगर निगम द्वारा संचालित अर्बन आयष्मान आरोग्य मंदिर में अब हर मंगलवार को वैक्सीनेशन किया जा रहा है।

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को लाभ : नगर निगम द्वारा संचालित इन केंद्रों की संख्या वर्तमान में 25 है, जो शहर के अलग-अलग इलाकों में कार्यरत हैं। इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य शहरी लोगों को उनके घर के पास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सलभ कराना है। वैक्सीनेशन के साथ-साथ इन केंद्रों पर बीपी, शुगर, मलेरिया, हीमोग्लोबिन समेत

मल्टी पर्पस वर्कर आसपास के इलाकों में लगा रहे कैंप

लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों के

लिए मंगलवार को टीकाकरण

दिवस तय किया गया है। इसमें

बीसीजी, पेंटा, ओपीवी, मिजल्स

जैसे आवश्यक टीकों को शामिल

测 सप्ताह में हर मंगलवार को बच्चों को लगाया जा रहा टीका » रांची नगर निगम पूरे शहर में फिलहाल 25 सेंटरों का कर रहा संचालन

एक छत के नीचे सुविधाएं

अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित किया गया है, जहां एक ही छत के नीचे स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं सुलभ हैं। इनमें डॉक्टर की सलाह, फ्री जांच, दवा वितरण, पोषण सलाह, परिवार नियोजन, वैक्सीनेशन और स्क्रीनिंग जैसी सेवाएं मिल रही हैं। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से इंतजाम किए गए है।

सेंटर पर और बढ़ेंगी सुविधाएं

रांची नगर निगम के पदाधिकारियों के अनुसार, आने वाले महीनों में इन सेवाओं को और भी प्रभावी और डिजिटल करने की योजना है। इससे न केवल इलाज और टेस्ट की गति बढ़ेगी, बल्कि मरीजों का रिकॉर्ड भी सुव्यवस्थित रूप से डिजिटल रूप में

बचत हो रही है, बल्कि

आसपास के क्षेत्र में हो रहा है जागरूकता फैलाने का काम



रांची नगर निगम ने इन सेंटरों पर मल्टी पर्पस वर्करों को तैनात किया है। ये सेंटर पर आने वाले मरीजों के इलाज में सहयोग के अलावा आसपास क्षेत्र में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं, बल्कि जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये वर्कर विभिन्न बस्तियों और मोहल्लों में छोटे-छोटे हेल्थ कैंप लगाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रहे हैं और उन्हें उचित सलाह भी दे रहे हैं। इससे लोगों को गंभीर बीमारियों का समय से पता चल रहा है। ऐसे में लोग तत्काल अपना इलाज शुरू करा रहे है।

पीएम ने दोहराई आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की प्रतिबद्धता : मराडी



PHOTON NEWS RANCHI: भारतीय जनता पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने रविवार को अपने-अपने क्षेत्रों के बुथों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता को

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज फिर एक बार कहा कि आतंकवाद और उसके संरक्षकों पर कठोर कार्रवाई करने के लिए भारत संकल्पित है, जिसमें भारत के 140 करोड जनता का भरोसा और विश्वास प्राप्त है। उन्होंने कहा कि इस लडाई में परा विश्व भारत के साथ खड़ा है। मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता प्रधानमंत्री के साथ खड़ी है। आतंकवाद व उग्रवाद विकास का दुश्मन है। विकास और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। इसलिए आतंकवाद और उसके संरक्षकों पर कड़ी कार्रवाई का समय आ चुका है।

राज्य में आतंकियों के खिलाफ कटोर कार्रवाई करे राज्य सरकार

RANCHI: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरा देश इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद के सफाए के लिए प्रतिबद्ध हैं। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करने का निर्देश दिया था, लेकिन झारखंड में हेमंत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध टोस कदम उटाने के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही है। इसके विपरीत, झामुमो के मंत्री और प्रवक्ता गैर-जिम्मेदाराना और संवेदनहीन बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजनीति करने के लिए आपको कई अवसर मिलेंगे, लेकिन इस कठिन समय में साढ़े तीन करोड़ झारखंडवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राज्य में आतंकियों के खिलाफ कटोर कार्रवाई सुनिश्चित

मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स में लगी आग, बच्चों को बचाने में गई एक बुजुर्ग की जान

रविवार को राजधानी में लोअर बाजार थाना क्षेत्र के कांटाटोली चौक के पास एक मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स एक दुकान में आग लग गई। इसमें बच्चों को बचाने में 59 वर्षीय बुजुर्ग एनुल आलम की दम घुटने से मौत हो गई। धुएं के कारण कुछ लोग दम घुटने की वजह से बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी में मशक्कत के बाद आग पर काबू पा

बताया जाता है कि आग लगने की वजह से दुकान के पीछे एक घर में आधा दर्जन से ज्यादा लोग फंस गए। तेज आग और धंए की वजह

 दुकान के पीछे एक घर में फंस गए आधा दर्जन से

की सुविधा निःशुल्क दी जा रही

है। इसका लाभ खास तौर पर

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को

नवजात से लेकर 5 साल तक के

निकाला गया घर से बाहर • धुएं के कारण दम घुटने से कुंछ लोग हो गए बेहोश

• फायर बिग्रेड की टीम ने कडी मशक्कत के बाद



लोगों के द्वारा एस्बेस्टस की सीट को तोड़कर बाहर निकाला गया। लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद ने बताया कि आग में दम घुटने से एक बुजुर्ग की मौत हुई है। आग पर काबू पा लिया गया और घर में फंसे सभी से कोई भी घर से बाहर नहीं निकल लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल

मुताबिक, दुकान में आग लगने से

के परिवार का है। कॉम्प्लेक्स के

लोग दहशत में आ गए और चारो शॉर्ट सर्किट से लगी आग : मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि परा कॉम्प्लेक्स ही एनल आलम

कपड़े की दुकान के ऊपर बने घर में एनुल आलम का पूरा परिवार रहता है। कपड़े की दुकान में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। इसकी वजह से घर में हर तरफ धुंआ भर गया था। इस बीच एनुल के साथ अन्य लोगों ने मिलकर घर में फंसे सभी बच्चों और महिलाओं को बाहर निकाला। एनुल आलम दोबोरा इसलिए अंदर गए कि कही कोई रह गया है यह देखने के लिए वह घर में वापस चले गए, लेकिन वे अंदर ही फंस गए और बेहोश हो गए। उन्हें किसी तरह घर से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मत

ऊपर एक कपड़े की दुकान है और

राज्य के युवा बना सकते हैं देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान : दीपिका पांडेय

ग्रामीण विकास मंत्री, दीपिका पांडेय ने कहा कि, झारखंड के युवाओं ने यह साबित कर दिया है कि यदि अवसर और उचित मार्गदर्शन मिले, तो वे देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं। हम सभी को आप पर गर्व है। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह न केवल आपके कौशल विकास में सहयोग करे. बल्कि आपकी सरक्षित और सम्मानजनक आजीविका सनिश्चित करने में भी हर संभव मदद करे। इस अवसर पर उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में डीडीयू-जीकेवाई पर आधारित विशेष पस्तक कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर का



विमोचन किया गया। दीपिका पांडे ने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के यवाओं की कौशल विकास और उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ है, चाहे वे झारखंड में हों या देश के किसी अन्य हिस्से में। दीपिका पांडेय रविवार को झारखंड स्टेट लाइवलीहड प्रमोशन सोसाइटी. ग्रामीण विकास विभाग, द्वारा लाया है।

बेंगलुरु में आयोजित डीडीयू-जीके के अंतर्गत प्लेस्ड अभ्यर्थियों के लिए एक एलमनी मिलन समारोह-2025 को संबोधित कर रही थीं। ंमंत्री पांडेय ने जेएसएलपीएस द्वारा डीडीयू-जीके योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि इस फ्लैगशिप कार्यक्रम ने झारखंड के हजारों युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन

कोई मजहब बुराई नहीं सिखाता, देश से वफादार होना जरूरी : तहजीबुल हसन

PHOTON NEWS RANCHI

मस्लिम नाम रखने से कोई मुसलमान नहीं होता। दाढ़ी, टोपी, पहनने से कोई मुसलमान नहीं होता। लिबास, कपड़ा से कोई मुसलमान नहीं होता, बल्कि अपने अंदर अच्छे अखलाक और ला इलाहा इल्लल्लाह के मफहूम को समझ कर उस पर अमल करने से होता है। अपने अंदर अच्छे अखलाक पैदा करो। मजहब-ए-इस्लाम में कोई जबर नहीं है। कोई भी मजहब बुराई नहीं सिखाता। मुल्क से वफादार होना जरूरी है। य बातें रविवार को झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड के



सदस्य-सह-मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहीं। वह समाजसेवी सैयद शाहरुख हसन रिजवी के आवास पर स्वर्गीय सैयद हसन अली रिजवी की बरसी की मजलिस को संबोधित कर रहे थे। मौलाना ने कहा कहां कि अल्लाह ने इंसान को दूसरों

पति की आंखों पर पट्टी बांध कर महिला से दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

RANCHI: रांची के चान्हो थाना क्षेत्र के एक घर में लूट के दौरान घर की एक महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को रांची पलिस गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पलिस से मिली जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल की रात को तीन आरोपी दंपती के घर में लूटपाट के इरादे से घुसे से। आरोपियों ने इस दौरान घर की एक महिला के साथ सामृहिक दुष्कर्म किया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मामले में एक नाबालिंग को निरुद्ध करते हुए उसे बाल सुधार गृह

पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ आक्रोश, बंद रहे बेड़ो व तुको

PHOTON NEWS RANCHI: जम्मु-कश्मीर के पहलगाम में हुए

आतंकवादी हमले के विरोध में रविवार को बेडो और तको शहरी क्षेत्र परी तरह बंद रहे। घटना के विरोध में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य संगठनों के संयुक्त आह्वान पर बंद का आयोजन किया गया। बंद के दौरान दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, सब्जी मंडी, छोटे-बड़े ढेले-खोमचे व पान दुकानों तक को पूरी तरह बंद रखा गया। हालांकि प्रत्येक रविवार को आमतौर पर अधिकतर दूकानें बंद रहती हैं। इस दौरान वक्ताओं ने



पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए शहीदों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष शशि टाइगर के नेतृत्व में मनोज साहु, सुरजीत भगत, मुकेश कुमार राय, डॉ. रमेश प्रसाद गुप्ता, साधन कुमार राय, कैलाश कुमार, प्रेम महतो, ज्वाला सिंह सहित आमजन भी शामिल हुए ।

तेलंगाना के कृषि मंत्री ने झारखंड के कृषि

मंत्री का किया स्वागत RANCHI: तेलंगाना के कृषि और सहकारिता सह हैंडलूम टेक्सटाइल विभाग के मंत्री टी नागेश्वर राव ने रविवार को हैदराबाद में झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का स्वागत किया। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के साथ हैदराबाद में प्रारंभिक बैठक के दौरान तेलंगाना कृषि विभाग के सचिव एम रघुनंदन राव के साथ हॉर्टिकल्चर डायरेक्टर शेख यास्मीन बाशा भी मौजूद रहीं। प्रारंभिक बैठक में तेलंगाना में धान फसल के पैदावार और उसके संग्रहण पर लेकर चर्चा हुई। तेलंगाना सरकार ने कृषि के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए कृषि पदाधिकारियों को बड़ी संख्या में बहाल कर रखा है। जो किसानों के लिए उनकी खेती-बाड़ी में सबसे ज्यादा मददगार साबित हो रहे है।

सामाजिक परिवर्तन के लिए कार्य करती है सेवा भारती : रामेंद्र सिंह सेवा भारती के हितचिंतक सम्मेलन में

सामाजिक समरसता पर दिया गया जोर



प्रस्तुति के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा भारती के राष्ट्रीय मंत्री रामेंद्र सिंह ने कहा कि सेवा भारती अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न सेवा आयामों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का कार्य कर रही है। समाज के वंचित, अभावग्रस्त वर्गो में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन,सामाजिक संस्कारों का अलख जगा कर समरस समाज का निर्माण किया जा रहा है। अपने ही समाज के कई लोग मूलभूत सुविधाओं, अधिकारों और व्यवस्थाओं से

PHOTON NEWS RANCHI: सेवा भारती के तत्वावधान में रविवार को हरमू रोड स्थित काव्स रेस्टोरेंट सभागार में हितचिंतक सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा मां दुर्गा की स्तुति पर भव्य नृत्य

विमुख हैं। ऐसे समाज में सेवा कार्यों को और गति देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि आज सम्पूर्ण

के लिए सरकारी संसाधनों का उपयोग करते हैं। स्वयं का स्वार्थ त्याग कर सेवा कार्य करने से सही मायने में समाज का उन्नयन होगा। मौके पर सेवा भारती के संरक्षक डॉ. एचपी नारायण ने सेवा कार्य के लिए उत्प्रेरित किया। कार्यक्रम में सेवा भारती की वार्षिक उपलब्धियों को साझा

समाज में सेवा भारती की प्रतिष्ठा

स्थापित हुई है। संस्था के

निस्वार्थ सेवा कार्यों में समाज

की सज्जनशक्ति,हितचिंतकों का

हितचिंतक सम्मेलन के विशिष्ट

अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद

महेश पोद्दार ने कहा कि समाज

में सेवा के नाम पर कई

अवांछित स्वयंसेवी संस्थाएं चल

रही है और सिर्फ कमाने-खाने

बड़ा योगदान रहता है।

करते हुए संस्था के सचिव ऋषि पाण्डेय ने बताया कि सेवा कार्यों से बस्ती परिवर्तन हुए हैं। पिछड़े वर्गी में शिक्षा, संस्कार, आरोग्य के प्रति जागृति आई है और स्वावलंबन की दृष्टि से महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है।

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिया टास्क

संविधान बचाओ रैली को सफल बनाने के लिए कांग्रेस ने किया मंथन

संविधान बचाओ रैली की

सफलता के लिए रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इसमें कार्यकारी अध्यक्ष, रांची से आने वाले प्रदेश उपाध्यक्ष,महासचिव एवं प्रमुख कांग्रेसजन,युवा कांग्रेस,महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल, इंटक, ओबीसी,अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,फिशरमैन कांग्रेस,विधि विभाग, पंचायती राज, पूर्व सैनिक विभाग,रांची जिला एवं रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने विभिन्न मोर्चा संगठनों, संगठनों के अध्यक्षों को रैली के संदर्भ में

युवाओं को किया जाएगा जागरूक झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कान्द्र

एनएसयुआई को विशेष कर पोस्टर एवं पंपलेट के माध्यम से शिक्षण संस्थानों, महिला कांग्रेस को स्वयंसेवी संस्थाओं एवं महिला समिति से संपर्क कर अभियान की जानकारी देकर रैली में सम्मिलित करने की मुहीम चलाने का निर्देश दिया गया। युवॉ कांग्रेस को विभिन्न युवा संगठनों धार्मिक-सामाजिक संगढनों के माध्यम से सामाजिक गतिविधियां चलाने वाले युवाओं से संपर्क कर अभियान एवं रैली के संबंध में जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

संविधान बचाओ रैली को लेकर बैठक करते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश व अन्य नेता • फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि देश के छात्रों,युवाओं विभिन्न समुदायों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। संविधान के अनुसार देश की

शासन व्यवस्था नहीं चल रही है बल्कि संविधान के प्रावधानों को कुचल कर तानाशाही रवैये के साथ निरंकुश शासन प्रणाली अपनाई जा रही है।

नहीं सुन रहा कोई लोगों की आवाज: उन्होंने कहा कि छात्रों का भविष्य, युवाओं के सपने, महिलाओं का सम्मान, नागरिकों का आत्म सम्मान कुचला जा रहा

कोशिश की जा रही है,संविधान की मूल प्रस्तावना को तार तार करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके विरोध में कांग्रेस खड़ी है। कांग्रेस उनके मंसूबों को जन सहयोग से पूरा नहीं होने देगी। विशेष अभियान चलाने का निर्देश: बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि अग्रीम मोर्चा संगठनों को संविधान के संदर्भ में महाविद्यालय,विश्वविद्यालय, युवाओं,महिलाओं और किसानों के बीच विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

है। अधिकारों के लिए सड़कों पर

उतरे लोगों की आवाज कोई नहीं

सुन रहा है। न्यायपालिका को

परोक्ष रूप से धमकाने की

आंदोलनकारी नलिनीकांत की मनाई पुण्यतिथि

GHATSILA: पावड़ा गांव स्थित झामुमो संपर्क कार्यालय में रविवार को घाटशिला के झारखंड आंदोलनकारी निलनीकांत भकत की 8वीं



श्रद्धांजलि सभा में विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने

के जनक. संस्कृति कर्मी व समाजसेवी के रूप में भी थी। इस मौके पर काजल डॉन, सुशील मार्डी, सीताराम रवानी, सागर पाणि, सब्यसाची चौधरी आदि ने भी उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर 4 को समारोह

JAMSHEDPUR: 'स्त्री राष्ट्र की आधार शक्ति' द्वारा पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में 4 मई को भव्य



समारोह होगा। बिष्टुपुर स्थित स्कुल के प्रेक्षागृह में शाम 5 बजे से होने वाले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विकास दवे (निदेशक, मध्यप्रदेश

साहित्य अकादमी एवं 'देवपुत्र' बाल मासिक के संपादक) उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर की समाजसेवी व शिक्षाविद संगीता बेहरा, करेंगी। बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में रविवार को प्रेसवार्ता में 'स्त्री राष्ट्र की आधार शक्ति' की अध्यक्ष डॉ. रागिनी भूषण ने बताया कि यह समारोह राष्ट्रसेविका समिति की प्रेरणा से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नगरवासियों को अहिल्याबाई होलकर के जीवन से परिचित कराना है। प्रेस वार्ता में न्यास की मंत्री मंज सिंह, सधा प्रजापति, चंचला सिन्हा, अनिता प्रसाद, प्रिया सिंह, अपर्णा सिंह, संध्या सिंह आदि भी उपस्थित थीं।

बनने से पहले ही दूटने लगी पेवर्स ब्लॉक की सड़क

ब्लॉक की सड़क बनने से पहले टूटने लगी है।



धरमबहाल पंचायत के पंचायत समिति सदस्य की निधि से बन रही सड़क की कुल लंबाई 230 फीट है। 2.40 लाख की लागत से बन रही सड़क की गुणवत्ता पर अब तक किसी

ने सुध नहीं ली है। योजना के कनीय अभियंता गौरव गुप्ता ने कहा कि अगर घटिया निर्माण किया गया है, तो इसकी जांच की जाएगी।

आईसीसी यूनियन ने कराई चित्रांकन प्रतियोगिता

GHATSILA: आईसीसी वर्कर्स यूनियन की ओर से मई दिवस की तैयारी



शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में रविवार को यूनियन कार्यालय परिसर में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता हुई।

ओमप्रकाश सिंह व अध्यक्ष वीरेंद्र नारायण सिंहदेव ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायकों में शामिल रमा गुप्ता व नीलिमा सरकार भी उपस्थित थीं। सफल प्रतिभागी गुरुवार को यूनियन कार्यालय में पुरस्कृत किए जाएंगे।

गिरे बिजली के दो खंभे, बाल-बाल बचे ग्रामीण

BAHRAGORA: बहरागोड़ा प्रखंड के बहुलिया पंचायत अंतर्गत पंचाण्डो गांव में रविवार को हल्की हवा से बिजली के दो जर्जर खंभे



गिर गए। इससे गांव में संयोगवश उस समय सड़क बारीक के घर के टिन शेड पर गिरा. तो दसरा खंभा

गांव के बीचों-बीच सड़क पर गिर गया। खंभा गिरने से प्रभात बारीक के घर का शेड परी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि खंभा काफी दिनों से जर्जर था। सूचना पर जगन्नाथपुर पावर सब-स्टेशन के लाइनमैन दिनेश घोष टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग से खंभा को सड़क से हटाया। इसके बाद गांव में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

चिलयामा के मेगा हेल्थ कैंप में हुई 150 की जांच

CHAIBASA : मुंधड़ा अस्पताल व रोटरी क्लब चाईबासा के संयुक्त प्रयास से रुंगटा स्टील प्लांट चिलयामा के कर्मचारियों के लिए रविवार



को मेगा हेल्थ कैंप लगा, जिसमें 150 से अधिक कर्मचारियों और उनके परिजनों ने जांच कराई। इस अवसर पर मुकुंद रूंगटा, डॉ. विजय कुमार मुंधड़ा, वरुण मुंधड़ा, रोटरी क्लब के अध्यक्ष हर्ष राज मिश्रा,

रितेश मुंधड़ा, महेश खत्री, विक्रम खिरवाल, राजेश राठौर, सुशील

पूर्वी सिंहभूम में राज्य खाद्य निगम के 24 गोदाम जर्जर, बारिश में रिसता है पानी

क्षिण एक्सक्लूसिव मरम्मत नहीं हुई तो इस बरसात में सड़ जाएगा अनाज

पूर्वी सिंहभूम जिले में राज्य खाद्य निगम के अनाज के 24 भंडार जर्जर हैं। यह पिछले साल से ही टपक रहे हैं। पिछले साल विभाग ने किसी तरह अनाज को बचाया था। इस साल इन जर्जर अनाज गोदामों की मरम्मत नहीं कराई गई तो इस साल बरसात में अनाज बर्बाद होना तय है। मगर, अभी तक इन गोदामों की मरम्मत का काम शुरू नहीं हो पाया है। इन गोदामों में बाहर से आने वाला अनाज रखा जाता है। इसके अलावा, जिन अनाज की खरीद होती है उस को भी यहां

इन गोदामों से ही लोगों को सरकारी योजना के तहत राशन का वितरण भी होता है। इन गोदामों से राशन दकानदारों को अनाज वितरित किया जाता है।

परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित

घाघीडीह सेंट्रल जेल के सामने

22 अप्रैल को हुई फायरिंग मामले

का पुलिस ने खुलासा कर दिया

है। इस मामले में चार आरोपियों

को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत

में भेज दिया गया है। गौरतलब है

कि घटना के दिन दो अज्ञात

बाइक सवार बदमाशों ने जेल के

सामने फायरिंग की थी और मौके

पर एक पर्ची फेंककर फरार हो

गए थे। पर्ची में अभिजीत मंडल

उर्फ कांडी का नाम लिखा हुआ

था, जिसे लेकर क्षेत्र में सनसनी

फैल गई थी। इस मामले जिन

युवकों को गिरफ्तार किया गया है,

उसमें गणेश कर्मकार-एमजीएम

थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा, ब्लू

बेल्स हाई स्कूल के पास का

निवासी, अविनाश कुमार झ



शहर के तीन अनाज गोदाम भी बदहाल

जमशेदपर शहर में स्थित तीन अनाज गोदाम भी जर्जर हैं। इनकी छतें टपक रही हैं। इनमें बमार्माइंस के दो गोदाम हैं। इनमें से एक गोदाम 2000 मीट्रिक टन का है। दूसरा गोदाम 500 मीट्रिक टन क्षमता का है। इसके अलावा, साकची में भी एक अनाज गोदाम की हालत बदतर हो गई है। यह गोदाम भी 2000 मीट्रिक टन क्षमता का है।

ऐसे में माना जा रहा है कि अगर कराई गई तो योजनाओं पर भी

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

तुरियाबेड़ा निवासी, सौरभ सिंह

उर्फ तोड़े, परसुडीह थाना क्षेत्र के

गोलपहाड़ी निवासी व राजू मौर्य,

कदमा थाना क्षेत्र का शास्त्रीनगर

निवासी है। गिरफ्तार आरोपियों में

आपराधिक इतिहास भी सामने

सौरभ सिंह उर्फ

जेल के सामने फायरिंग करने वाले

चार आरोपी किए गए गिरफ्तार

का काम शुरू नहीं हो पाया है। बालू लदा डंपर पलटा

250 मीट्रिक टन

क्षमता से १००० तक

के हैं अनाज गोदाम

जिले में राज्य खाद्य निगम ने

250 मीट्रिक टन क्षमता से

1000 तक की क्षमता के

अनाज गोदामों का निर्माण

कराया है। इनमें से अधिकतर

अनाज गोदाम पुराने हैं। यह

पुराने मॉडल के बने हुए हैं।

पुराने माडल के यह अनाज

गोदाम अत्यधिक जर्जर हैं। इन

गोदामों की मरम्मत बेहद

जरूरी बताई जा रही है। इन

गोदामों के प्रभारी पिछले साल

से ही इनकी मरम्मत पर जोर दे

रहे हैं। जिला आपूर्ति विभाग ने

इन भवनों की मरम्मत के लिए

कागजी प्रक्रिया शुरू की है।

मगर, अब तक इनकी मरम्मत



SONUA : सोनुवा–चक्रधरपुर सड़क निश्चितपुर पेट्रोल पंप के पास रविवार अहले सुबह एक तेज रफ्तार अवैध बालू लदा डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में डंपर के ड्राइवर व खलासी बाल-बाल बच गए। दोनों को हल्की चोट लगी। डंपर गुदड़ी व गोइलकेरा होकर गुजरी कारों नदी से अवैध तरीके से बालू लेकर चक्रधरपुर जा रहा था। घटना पेट्रोल पंप की चारदीवारी के पास हुई। यदि तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर पेट्रोल पंप में घुस जाती तो एक बड़ी घटना घट सकती थी। जानकारी के मुताबिक, रविवार को अहले सुबह अवैधं लदे कई वाहन कारो नदी घाटों से अवैध बालू लेकर चक्रधरपुर जा रहे थे। छापेमारी अभियान से बचर्ने के लिए वाहन तेज गति से गुजर रहे थे। इस दौरान वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के दाहिनी ओर जाकर सड़क पर पलट गई। अहले सुबह वाहन की परिचालन न के बराबर होती है। नहीं तो, डंपर की

- इन अनाज गोदामों को है मरम्मत की जरूरत • साकची में 2000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- बमार्माइंस में 2000 मीटिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- बमार्माइंस में 500 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम • बहरागोड़ा में 1000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- मुसाबनी में 1000 मीट्रिक टन क्षमता के तीन अनाज गोदाम
- धालभुमगढ़ में 1000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- चाकुलिया में 1000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम • घाटशिला में 1000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- 🗕 पोटका में 1000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- डुमिरया में 1000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम • पटमदा में 1000 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- बहरागोड़ा में 500 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- धालभूमगढ़ में 250 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम चाकुलिया में 250 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- 🗕 पोटका में 500 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम इमरिया में 500 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- बोड़ाम में 500 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- गुड़बांदा में 500 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- 🗕 मुसाबनी में 250 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम • पटमदा में 250 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम
- पोटका में 250 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम • घाटशिला में 250 मीट्रिक टन क्षमता का एक अनाज गोदाम

मानगो से हुआ किशोरी का अपहरण, छापा मार रही पुलिस

JAMSHEDPUR : मानगो के उलीडीह कालिंदी बस्ती की रहने वाली एक किशोरी का अपहरण कर लिया गया है। इस मामले में किशोरी की मां के आवेदन पर पुलिस ने राजा पांडेय नामक युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। राजा पांडे कौन है। उसका पता किशोरी के परिजनों को नहीं मालुम।

किशोरी की मां ने पुलिस को बताया कि राजा पांडेय अपने मोबाइल से उसकी बेटी से बात करता था। उसकी मां ने यह मोबाइल नंबर बेटी के मोबाइल

राजा पांडेय ने किशोरी को इसी नंबर से फोन कर बाहर बुलाया था और इसी के बाद किशोरी का अपहरण कर लिया गया। इस मामले में पलिस का कहना है कि राजा पांडे के मोबाइल को



उसका लोकेशन जानने की कोशिश हो रही है। जल्द ही राजा पांडे का पता लगाकर किशोरी को बरामद कर लिया इसके अलावा, किशोरी के घर

के आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं। इसमें देखा जाएगा कि किशोरी घर से निकलने के बाद किधर गई और

खड़े ट्रक से टकराई बाइक गोलमुरी के व्यक्ति की मौत



घायल को अस्पताल ले जाती बस व दुर्घटना स्थल पर खड़ा ट्रक 🕟 फोटोन न्यूज

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले में शनिवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में जमशेदपुर के गोलमुरी निवासी सतीश कुमार सिंह (उम्र 50 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में उसकी मौत हो गई। घटना रात लगभग 11.30 बजे सरायकेला स्थित वृद्धाश्रम के पास हुई, जहां अंधेरे में सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी बाइक टकरा गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सतीश कुमार सिंह अपने निजी कार्य से

सरायकेला आए थे और वापसी के दौरान तेज रफ्तार में बाइक ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सतीश के हेलमेट के परखच्चे उड़ गए और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद गश्त कर रही सरायकेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बस से घायल को सरायकेला सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए सतीश को तुरंत जमशेदपुर रेफर कर दिया गया।

साहित्यकारों ने दी पहलगाम के दिवंगतों को श्रद्धांजलि

सीतारामडेरा थाना में हत्या और

लूट के दो मामले दर्ज हैं। सिटी

एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि

सभी आरोपियों ने अपना जुर्म

कबूल कर लिया है। पुलिस इस

मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की

भी जांच कर रही है।



JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन-तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में रविवार को मासिक कथा मंजरी सह साहित्यकार अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की जयंती मनाई गई। इसमें कवियों–साहित्यकारों ने पहलगाम के दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसी भवन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मुनका व संचालन साहित्य समिति राजेंद्र साह 'राज' ने की। दीप प्रज्वलन के बाद डॉ. वीणा पांडेय भारती ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। स्वागत वक्तव्य तुलसी भवन के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने दिया । तदुपरांत हरिऔध जी का संक्षिप्त साहित्यिक जीवन परिचय अशोक पाठक 'स्नेही' व डॉ. अरुण सज्जन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र 'कथा मंजरी' में विभिन्न विषयों को स्पर्श करती हुई कुल 16 कहानियों का पाठ कियाँ गया, जिसकी समीक्षात्मक टिप्पणी कथा पाठ के उपरांत अरुण कुमार तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन के दौरान की।

आदिवासियों का सर्वांगीण विकास कर रही स्वशासन व्यवस्था : मंत्री

माझी परगना महाल महलिया तोरोप ने किया सामाजिक सम्मेलन

PHOTON NEWS GHATSILA: गुड़ाझोर फुटबॉल मैदान, बाघुड़िया में रविवार को माझी परगना महाल महुलिया तोरोप का एक दिवसीय सामाजिक सम्मेलन हुआ, जिसकी अध्यक्षता देश परगना बाबा बैजू मुर्मू ने की। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन सहित 35 गांव के माझी बाबा सहित पारानिक, गोडेत, जोगमाझी व समाज के महिला परुष पारंपरिक परिधान में शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में आदिवासी संथाल समाज स्वशासन व्यवस्था का संचालन करते हुए सर्वांगीण विकास शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार पर काम कर रही है। इसके साथ ही जल जंगल जमीन को बचाते हुए संवैधानिक अधिकार का प्रचार-

प्रसार करती है। गांव घर के प्रत्येक

क्रमडीह के प्रवेशद्वार पर भी निगरानी

इसके अलावा, कूमडीह के प्रवेश मार्ग पर भी जांच अभियान शुरू कर दिया

गया है। यहां निगरानी की जा रही है। हर आने जाने वाले पर नजर रखी जा

रही है। यहां तीन मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। यहां मजिस्ट्रेट भी शिफ्ट वाइज

तैनात किए गए हैं। जिला खनन अधिकारी ज्योति शंकर सतपथी सुबह ८ से

शाम 4 बजे तक कुमडीह के प्रवेश मार्ग पर बने ड्रॉप गेट पर तैनात रहेंगे। शाम

4 बजे से रात 12 बजे तक के लिए चांडिल के अवर निबंधक धर्मेंद्र कुमार को

यहां का मजिस्ट्रेट बनाया गया है और रात 12 बजे से सुबह 8 बजे तक के

लिए कपाली नगर परिषद के कार्यपालक अधिकारी गोपी कृष्ण ड्रॉप गेट पर

मजिस्ट्रेट के तौर पर तैनात हैं। उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल कूमडीह

गांव में कानून व्यवस्था की स्थिति पर लगातार नजर रखे हैं। डीसी ने उन्हें

में पूरी तरह निगाह बनाए हुए है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि

सरायकेला में कूमडीह में फिलहाल हालात शांत हैं।



व्यक्तियों को ओलचिकी लिपि

सीखना होगा। हमारी भाषा हमारी लिपि हमारा संस्कार ही हमें आदिवासी बनाए रखता है। देश पारगना बाबा ने कहा कि समाज के माझी बाबा अपने-अपने गांव की समस्याओं को समाधान करने के लिए स्वतंत्र हैं। अगर कोई ज्वलंत समस्या या विवाद उत्पन्न होती है तो सामाजिक व्यवस्था के तहत विचार व्यवस्था में स्थापित नियमावली का अनुपालन करते हुए उच्च स्तर पर

अग्रसारित करें. ताकि समाज के लोगों को न्याय मिले। माझी परगना महाल के प्रतिनिधि मख्यमंत्री से मिलकर संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि से पढ़ाई-लिखाई शुरू करने की मांग रखेगा। सम्मेलन में तोरोप पारगना बाबा हरिपोदो मुर्मू, दसमत हांसदा, चंद्राय हांसदा, देश पारानिक बाबा दुर्गा चरण मुर्मू, मार्शल मुर्मू, संखो मुर्मू, बिरेन टुडू, लखी चरण सोरेन, पुरुषोत्तम सोरेन, महेश्वर मुर्मू,आदि भी उपस्थित थे।

सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह में युवती को अगवा करने के बाद दो समुदायों में फैल गया तनाव

कूमडीह गांव में बवाल के बाद प्रशासन ने संभाला मोर्चा, 15 मजिस्ट्रेट तैनात

सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह थाना क्षेत्र के झिमड़ी पंचायत के कूमडीह गांव में शनिवार 26 अप्रैल को बवाल हो गया था। इस बवाल में दो समुदाय के लोग आमने-सामने थे। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभाल कर गांव में शांति स्थापित की। जिला प्रशासन ने भी मोर्चा संभाल लिया है। जिला प्रशासन ने गांव में 15 मजिस्ट्रेट तैनात कर दिए हैं।

चप्पे चप्पे पर नजर रख रहा प्रशासन : इन मजिस्ट्रेटों की शिफ्ट वार ड्यूटी लगाई गई है। गांव में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक राजनगर के बीडीओ मलय कुमार, जिला सहकारिता अधिकारी मोहम्मद सरवर आलम और स्वर्णरेखा नहर प्रमंडल के कनीय अभियंता कैलाश चंद्र महतो ड्यूटी



घटनास्थल के पास तैनात पुलिस के जवान

पर रहेंगे। जिला

4 से रात 12 बजे तक के लिए के पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो कार्यपालक को इनका वरिष्ठ अधिकारी बनाया दंडाधिकारी सत्येंद्र महतो जिला गया है। गिरजा शंकर महतो नियोजन अधिकारी आलोक निगरानी रखेंगे कि मजिस्ट्रेट अपने कुमार टोपनो और स्वर्णरेखा नहर तैनाती स्थल पर हैं या नहीं। शाम प्रमंडल चांडिल के कनीय

भीड़ ने दुकानों व घरों में लगा दी थी आग

सरायकेला खरसावां जिले के नीमडीह में थाना क्षेत्र के झुमरी पंचायत के कूमडीह गांव में शनिवार को दो पक्षों में तनाव हो गया था। इस मामले में गुस्साई भीड़ ने तीन दुकानों व घरों में आग लगा दी थी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। सरायकेला एसपी और डीएसपी मौके पर पहुंचे। भीड़ को तीतर बितर करने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था जो अब भी तैनात है। बताते हैं कि झुमरी गांव में एक समुदाय का युवक दूसरे समुदाय की एक युवती को लेकर फरार हो गया था। इसी के बाद दोनों समुदाय में तनाव फैल गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अभियंता दयानंद जामुदा को

मजिस्ट्रेट तैनात किया गया है।

सरायकेला-खरसावां के एडीएम

जयवर्धन कुमार उनके वरिष्ठ

अधिकारी बनाए गए हैं। रात 12

बजे से सुबह 8 बजे तक के लिए

इसके लिए तैनात किया है। चांडिल के एसडीओ और एसडीपीओ को निर्देश दिया गया है कि वह संवेदनशील स्थानों को चिह्नित करें और वहां मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती करें । इसका मतलब है कि जिला प्रशासन कूमडीह

सरायकेला-खरसावां कार्यपालक दंडाधिकारी कमलेश कुमार दास, ग्रामीण कार्य विभाग के नीमडीह कार्य अवर प्रमंडल के सहायक अभियंता उपेंद्र ठाकुर और स्वर्णरेखा नहर प्रमंडल चांडिल के कनीय अभियंता छोटे राय मांडी को मजिस्ट्रेट बनाया गया है। आदित्यपुर नगर निगम के अपर नगर आयुक्त रवि प्रकाश उनके वरिष्ठ अधिकारी बनाए गए हैं।

आंध्रा एसोसिएशन ने मनाया सांस्कृतिक धरोहर का जश्न



JAMSHEDPUR: आंध्रा एसोसिएशन, कदमा ने अपने शताब्दी वर्ष (1926-2026) के उपलक्ष्य में रविवार को बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। सांस्कृतिक संध्या में कोलकाता से आए प्रसिद्ध समूह 'श्री शंकर नारायणस्वामी लयाविन्यास' ने संगीतमय प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन वाई. रमा ने गरिमापूर्ण ढंग से किया। कार्यक्रम में बडी संख्या में सदस्य, अजीवन सदस्य, गणमान्य अतिथि और विभिन्न तेलुगु संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि डी. बी. शैलजा सुंदररमन, ट्रस्टी और एसोसिएशन के अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलन से किया। इसके बाद गणेश वंदना के माध्यम से कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत हुई। अध्यक्ष और मुख्य अतिथि ने स्वागत भाषण देते हुए एसोसिएशन की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला। महासचिव ने कार्यक्रम के कलाकारों का परिचय कराया। समारोह के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन भी रखा गया।

Monday, 28 April 2025

OBRIEF NEWS दहेज के लिए हत्या के फरार आरोपियों के घर

पुलिस ने की कुर्की जब्ती

ARARIA: फारबिसगंज थाना पुलिस ने रविवार को हरिपुर गांव में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या के मामले में फरार आरोपितों के घर कुर्की जब्ती की।फारबिसगंज थाना पुलिस ने यह कार्रवाई थाना में दर्ज प्राथमिकी अभियक्त मोहम्मद जमशेद पिता मोहम्मद शमीम. मोहम्मद शमी पिता स्वर्गीय मनीचर, मोहम्मद परवेज पिता मोहम्मद शमीम, जमरून पति शमीम, साजन खातून पति मोहम्मद इरशाद, मोहम्मद इरशाद पिता मोहम्मद सिराजुल, मोहम्मद अख्तर पिता मोहम्मद जहीर के घर में न्यायालय के आदेश पर कुर्की जब्ती की। कुर्की कार्रवाई के दौरान फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह, एसआई कुमारी बबिता, कार्रवाई के दौरान पुलिस बल की तैनाती के बीच घरों के समानों और दरवाजा खिड़की सभी

प्रचंड गर्मी को लेकर लोगों में किया गया घड़े का वितरण

समानों की कुर्की की गई।

BHAGALPUR: मां आनंदी संस्था की ओर से अत्यधिक तेज धूप और प्रचंड गर्मी को देखते हुए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रविवार को कोतवाली चौक स्थित कुपेश्वर धाम मंदिर में जरूरतमंदों के बीच घड़ा, खाद्य सामग्री और नए एवं पुराने कपड़ों का वितरण किया गया। संस्था की संस्थापिका प्रिया सोनी ने कहा कि जरूरतमंदों के लिए इस समय यह घड़ा अमीर व्यक्तियों के किसी फ्रिज के उपयोगिता से काम नहीं होता है। यह प्राकृतिक एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत लाभदायक होता है। प्रिया सोनी ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने घर में फ्रिज का कम उपयोग कर पानी पीने के लिए घड़े का उपयोग करें। ताकि कई तरह के बीमारियों से बच सकें। आज के इस आयोजन में संस्था की संस्थापिका प्रिया सोनी के साथ-साथ संस्था के सभी सदस्यों ने अपनी भागीदारी निभाई।

खिलहान में गेहूं के बोझा में लगी आग हजारों का नुकसान

NAVADA: नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के दरावां गांव में रविवार को किसान के खलिहान में रखे गेहँ के बोझा में अचानक आग लग गई, जिससे हजारों रुपये का गेहूँ जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार किसान पवन यादव के खलिहान में रखे गेहँ के फसल में अज्ञात अपराधियों द्वारा अचानक आग लगा दिए जाने से गेहँ जलकर राख हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से किसी तरह काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पीडित किसान पवन यादव का आरोप है कि अग्निशमन विभाग को सचना देने के बावजूद भी अग्निशमन टीम नहीं पहुंची, जिससे लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर किसान को मआवजा नहीं मिला तो सड़क जाम आंदोलन शुरू कर देंगे।

अखिल भारतीय पासी समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम को पूर्व डिप्टी सीएम ने किया संबोधित

हमारी सरकार बनते ही शराबबंदी कानून से अलग होगी ताड़ी: तेजस्वी

श्रीकृष्ण स्मारक भवन सभागार में रविवार को अखिल भारतीय पासी का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में के कार्यक्रम में कहा कि हमने कई बार कहा कि इस ताड़ी को शराब से अलग कर दीजिए। लेकिन सीएम नीतीश ने मेरी बातों को नहीं सुना। कहा कि यही कारण है कि आज यह समाज अपराधियों के रूप में ही जाना जाता है। आप लोगों की स्थित क्या है आप लोग 76% भूमिहीन हैं। 2025 में हम लोग सबसे पहले अपनी सरकार बनाएंगे और जैसे ही हमारी सरकार बनेगी तो इस ताड़ी को शराबबंदी कानून से अलग करने का काम करेंगे। वहीं, कार्यक्रम शुरू होने के पहले जब राजद नेता उदय नारायण चौधरी मंच पर पहुंचे, तो अचानक उनकी कुर्सी टूट गई और वो गिर पड़े। फिर आसपास मौजूद नेताओं ने उनको संभाला।



2016 से ताड़ी पर लगा है प्रतिबंध

इस महाजुटान का मुख्य उद्देश्य ताड़ी व्यवसायियों की समस्याओं को उजागर करना और उनके हक के लिए आवाज उटाना था। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि ताडी और शराब दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। 2016 में जब बिहार में शराबबंदी कानून लागू किया गया, तो शराब के साथ-साथ ताडी पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस फैसले से हजारों ताड़ी व्यवसायी, विशेष रूप से पासी समाज के लोग, गहरे संकट में आ गए। ताडी व्यवसायियों की इसी पीडा को सामने लाने के लिए यह महाजुटान आयोजित किया गया, ताकि सरकार तक उनकी आवाज पहुंचाई जा सके और ताडी को शराब से अलग मानते हुए व्यवसाय को फिर से वैधता दी जाए।

सम्राट चौधरी पर तेजस्वी ने बोला हमला



तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि सम्राट चौधरी आज लालू प्रसाद यादव और उनके ऊपर बयानबाजी कर रहे हैं, जबिक उन्हें राजनीति में स्थापित करने का श्रेय स्वयं लालू प्रसाद यादव को जाता है। तेजस्वी यादव ने कहा, सम्राट चौधरी को लालू जी ने मंत्री और विधायक

बनाया था। आखिरी बार जब वह चुनाव लड़े थे, तब भी हमारी पार्टी (राजद) से ही जीते थे। आज जो लोग बीजेपी में हैं, वे ताबड़तोड़ बयानबाजी कर बस तेल–मालिश करने का काम कर रहे हैं। राजनीति में ये लोग पिछले दरवाजे से आए हैं। लालू जी का नाम लिए बिना इनकी रोजी-रोटी नहीं चल सकती।

दिलीप जायसवाल के बयान पर पलटवार



तेजस्वी यादव ने दिलीप जायसवाल के बयान का भी करारा जवाब दिया। दिलीप जायसवाल ने कहा था कि तेजस्वी यादव सत्ता में आने का सपना देख रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी ने कहा, हम अपने सपनों को हकीकत में बदलने जा रहे हैं। यही

मेरा जवाब है उन्हें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में आतंकवाद के खिलाफ दिए गए बयान पर तेजस्वी यादव ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा, जो आतंकवाद को जंड से समाप्त करने का कार्य करेगा, हम उसके साथ हैं।

प्रभारी मंत्री जीवेश मिश्रा से भाजपा नेता ने की मुलाकात, विकास पर हुई बात



AGENCY NAVADA : नवादा के प्रभारी मंत्री बनाए जाने पर बिहार सरकार के मंत्री जीवेश मिश्रा से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रमोद कुमार चुन्नू ने रविवार को उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने नवादा कें विकास के संबंध में विस्तृत चर्चा की । भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद कुमार चुन्नू ने जिले में बेहतर विकास की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि सजगता से काम किया जाए तो निश्चित तौर पर विकास के मामले में नवादा देश के मानचित्र पर बेहतर होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि नवादा के सांसद विवेक ठाकुर ने विकसित भारत के साथही विकसित नवादा बनाने की दिशा में व्यापक स्तर पर काम शुरू कर दिया है। जिस कारण रेलवे परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेडिकल कॉलेज सहित कई क्षेत्रों में

बेहतर कार्य भी शुरू कर दिए गए ।उन्होंने प्रभारी मंत्री जीवेश मिश्रा से कहा है कि 200 बिस्तर की अस्पताल का भी शिलान्यास सांसद विवेक ठाकुर के प्रयास से कराया गया है। जिसमें आप अस्पताल बनाने की दिशा में सार्थक पहल करें। ताकि नवादा के लोगों को बेहतर सुविधा

उन्होंने कहा कि आपके नवादा के प्रभारी मंत्री बनाए जाने से एनडीए कार्यकताओं में जोश पैदा हुआ है। यही वजह है कि आगामी चुनाव में भी आपके बेहतर कार्यों के कारण नवादा की सभी पांच सीटों पर एनडीए प्रत्याशी का विजय पताका लहरेगा ।प्रभारी मंत्री ने प्रमोद कुमार चुन्नू से नवादा जिले के विकास की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए बेहतर कार्य करने का भी आश्वासन दिया।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में तिरंगा के साथ लोगों ने निकाली यात्रा

AGENCY PATNA: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में रविवार को बिहार के मुंगेर जिले में मुंगेर विजय चौक प्रबंध समिति और मुंगेर सेवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में 100 फीट लंबा तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान भारत की एकता और अखंडता का संदेश दिया गया और आतंकवाद के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और युवाओं ने भाग लिया।यात्रा की शुरूआत बेकापुर स्थित विजय चौक से हुई। इसके बाद यात्रा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद चौक, बाजा पट्टी, मुख्य बाजार, गांधी चौक, राजीव गांधी चौक, आजाद चौक और लोहा पट्टी होते हुए पुनः विजय चौक पर समाप्त



खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने

नारेबाजी की और सरकार से आतंक के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की। आयोजनकताओं ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा आतंकवाद के खिलाफ देशवासियों की एकजुटता और शहीदों को श्रद्धांजलि देने का

नाले में गिरकर युवक की मौत, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

BHAGALPUR : जिले के बरारी थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर गांव में एक युवक की नाले में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शहजादा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शहजादा बीते शाम घर का सामान लाने के लिए निकला था लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने रात भर उसे तलाशा लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने जब नाले में शव देखा तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान होने के बाद परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। शहजादा की पत्नी बीबी अफसाना ने पुलिस पर गंभीर

खेलो इंडिया के तहत आयोजित तीन दिवसीय 'मशाल' कार्यक्रम संपन्न

इंडिया के तहत आयोजित 'मशाल' का तीन दिवसीय आयोजन अँकरी में संपन्न हो गया। उच्च माध्यमिक विद्यालय ॲंकरी में विद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन रविवार को संपन्न हो गया। शिक्षा व खेल विभाग बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं मशाल का समापन किया गया। उच्च माध्यमिक विद्यालय ॲंकरी के प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ. गोपाल प्रसाद ने बताया कि नोडल शिक्षक अजाद कमार एवं उनके सहयोगी शिक्षक शशि भूषण कुमार, पूजा कुमारी, शमा अफसर एवं तसनीम कौसर के नेतृत्व में



संपन्न हो गया। उल्लेखनीय है कि 'मशाल' के अंतर्गत होने वाले खेलों में एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, साइकिलिंग, वॉलीबॉल, ऊँची कद, लंबी कद आदि में विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पच्चीस से सत्ताइस अप्रैल तक चलने वाली इस खेल प्रतियोगिता में कई जनप्रतिनिधियों

का पुरा सहयोग मिला, जबकि छात्र-छात्राओं में एथलेटिक्स में जहाँ संगम कुमारी, रिंपल कुमारी, राजनंदिनी कुमारी, माणिक मोहित, सोनू कुमार एवं नीतीश कुमार ने बाजी मारी, वहीं लंबी कद में छात्र में प्रतीक कुमार एवं छात्रा में मुस्कान कुमारी ने अपना स्थान

मादक पदार्थ के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई. १६६.१०१ किलो गांजा बरामद

AGENCY BHAGALPUR जिले के मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने 166.101 किलो गाँजा एवं 01 बाइक बरामद किया है। उक्त आशय की जानकारी रविवार को सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने दी। सिटी एसपी ने बताया कि वरीय पलिस अधीक्षक के निदेशांनुसार विशेष समकालीन अभियान के तहत अवैध शराब, आर्म्स, मादक पदार्थ आदि की बरामदगी के लिए सघन गश्ती एवं चोरी और छिनतई के हॉट स्पॉट पर छापेमारी की जा रही है। इस क्रम में छापेमारी दल द्वारा बीते रात्रि मधुसुदनपुर थाना अंतर्गत ग्राम बेलखोरिया के समीप बगीचे से गुप्त सूचना के आधार पर 166.101 कि॰ग्रा॰ गाँजा एवं 01

बाइक बरामद किया गया। इस

संबंध में मधुसुदनपुर थाना में

सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर



अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल अली थानाध्यक्ष, मधुसुदनपुर थाना, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, रत्नेश कु. सिंह, सिपाही संध्या, गृहरक्षक नवलकिशोर पासवान एवं सुधीर प्रसाद मंडल

दलित बस्ती में लगी आग, दर्जनों घर जलकर राख

जिले के रक्सौल में दलित बस्ती में लगी भीषण आग में दर्जनो घर जलकर राख हो गये। बताया जा रहा है कि तेज हवा के बीच लगी आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते कई घर इसकी चपेट में आ गए। आग लगने की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को दी। मौके पर अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां पहुंची और भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।घटना की सूचना मिलते ही रक्सौल पुलिस व एसएसबी के जवान भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में स्थानीय लोगों की मदद की। अगलगी की इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। स्थानीय निवासी चंद्रिका मलिक ने बताया कि बस्ती में कई घरों में शादियों की तैयारियां चल रही थीं।



शादी के लिए खरीदे गए कपड़े, गहने और अन्य सामान भी आग की भेंट चढ गए। उन्होंने बताया कि सभी लोग शादी की तैयारियों में व्यस्त थे, तभी अचानक आग ने सबकछ तबाह कर दिया।

अंचलाधिकारी शेखर राज ने बताया कि अगलगी की सूचना मिलते ही हल्का कर्मचारी को मौके पर भेजा गया है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जिसके बाद प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया भी शरू कर दी गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद बस्ती में अफरा-तफरी और मायुसी का माहौल है।

नेपाल पुलिस ने जब्त की भारतीय नंबर की कार, तस्करी के लिए किया जाता था प्रयोग

AGENCY DEHRI-ON-SON: अररिया २७ अप्रैल(हि.स.)।

जोगबनी सीमा पार नेपाल में नेपाल सशस्त्र पलिस बल ने रविवार को कार्रवाई करते हुए भारतीय नंबर की चोरी की कार को जब्त किया निपाल सशस्त्र पुलिस बल रानी गुल्म के डीएसपी ऋषिकेश राउत ने गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की। उन्हें सचना मिली थी कि भारतीय नंबर के चोरी के वाहन पर अलग नंबर लगा कर तस्करी के बहमल्य सामग्री को लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर डीएसपी ऋषिकेश राउत के द्वारा सीमा पार करते ही कार को जब्त किया गया। जांच में सामने आया कि यह चोरी की गाड़ी जोगबनी के महाराष्ट्र / गुजरात ट्रांसपोर्ट का है और उक्त ट्रांसपोर्ट कंपनी को जोगबनी के दिलीप चौधरी द्वारा संचालित किया जाता



टांसपोर्ट के अवैध गतिविधि को संचालित करने के उद्देश्य के साथ चोरी के कार से विराटनगर भंसार कार्यालय के परिसर से बहुमूल्य सामग्री की तस्करी किया जाता रहा है। मामले की पुष्टि करते हुए सशस्त्र पुलिस बल रानी गुल्म के प्रमुख डीएसपी ऋषिकेश राउत ने कहा कि भारतीय नंबर की कार संख्या डब्लूबी 74 एस 1462 को सूचना के आधार पर जब्त किया गया है। गाड़ी के कागजात में रहे इंजन और चेचिस का नंबर और कार के इंजिन चेचिस का नंबर अलग अलग है। जिस कारण गाड़ी को जब्त किया गया है।

बॉलीवुड सहित रियलिटी शो के नामचीन कलाकार प्रोग्राम में करेंगे शिरकत

मजदूर दिवस पर संगीत संध्या कार्यक्रम का होगा आयोजन

AGENCY ARARIYA : अरिया जिला पत्रकार संघ की ओर से मजदुर दिवस के मौके पर 01 मई को अररिया कॉलेज स्टेडियम में आयोजित एक शाम पत्रकारों के नाम संगीतमय संध्या में बॉलीवुड सहित टीवी के रियलिटी शो के नामचीन कलाकार भाग लेंगे। जिला पत्रकार संघ की ओर से इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। अररिया कॉलेज स्टेडियम में मंच सहित रैम्प निर्माण और बांस की बेरीकेडिंग का कार्य इवेंट मैनेजमेंट में लगे संघ के सदस्य कर रहे हैं। जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राकेश भगत उर्फ मंट्र भगत, सचिव अमित कुमार अमन और कोषाध्यक्ष रुपेश कुमार ने संयुक्त रूप से प्रेस क्लब भवन में



कार्यक्रम की तैयारी और समीक्षा को लेकर प्रेस क्लब भवन में मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें स्थल पर सुरक्षा, सीटिंग अरेंजमेंट, कलाकारों के आगमन और ठहराव सहित अन्य मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया। बैठक उपरांत कार्यक्रम के प्रचार प्रसार को लेकर रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वरिष्ठ पत्रकार परवेज आलम, लक्ष्मी

प्रसाद नायक, विष्णुदेव झा बेदी, फुलेंद्र मल्लिक, आमोद शर्मा, सुब्रत सिन्हा सहित अन्य पत्रकारों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार भगत ने बताया गया कि इस कार्यक्रम में 80 के दशक

कुमार,दिलीप सेन,फिल्म अभिनेत्री पुनम झावर,मैथिली सहित दर्जनों हिन्दी अलबम की नामचीन गायिका प्रिया मल्लिक, टीवी शो सुर संग्राम के उप विजेता अमर आनंद, प्रिया राज सहित अन्य कलाकार अपनी प्रस्तुति देगी। कार्यक्रम को लेकर युद्धस्तर पर तैयारी की जा रही है और कार्यक्रम में इंट्री केवल पास पर की गई है।पास प्राप्त संगीत प्रेमी ही कार्यक्रम का लुत्फ उठा पायेंगे। संगीत प्रेमियों के लिए स्टेडियम पांच हजार से अधिक की सीटिंग कैपेसिटी रखी गई है।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के अलावा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

मशहूर गायक शब्बीर

पुलिस ने चोरी किए गए तीन साल के बच्चे को किया बरामद, गिरोह के सात गिरफ्तार

है। इस कार से दिलीप चौधरी द्वारा

AGENCY EAST CHAMPARAN

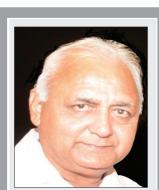
जिला के पकड़ीदयाल थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी किये गये तीन वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद करते हुए बच्चा और चोर गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पूछताछ में बच्चों को चोरी कर बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि 15 अप्रैल को पकड़ीदयाल के दर्जी मोहल्ला निवासी मो.सहीम आलम का तीन वर्षीय गुलाम रसुल लापता हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही पकड़ीदयाल एसडीपीओ मोहिबुल्लाह अंसारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया



गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घुमंतु जाति के लोगों की भूमिका की जांच शुरू किया, जो घटना के बाद से अपना ठिकाना बदलकर पकड़ीदयाल से भाग गये थे। हालांकि पुलिस ने छापेमारी करते हुए 26 अप्रैल को इस गिरोह के एक सदस्य को धर दबोचा, जिसकी निशानदेही पर

सीतामढ़ी जिला के बेलसंड थाना क्षेत्र से अपहृत बच्चा गुलाम रसुल को सकुशल बरामद कर लिया गया। इस मामले में घुमंतु जाति के तिलसकरी देवी, मोहनी देवी, अमृत करोड़ी, लालपड़ी, प्रकाश करोड़ी, राजेश करोड़ी और लहसन करोड़ी को गिरफ्तार

भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका आतंक पोषक पाकिस्तान



तनवीर जाफ़री

इन सब वास्तविकताओं के बावजूद जब जब पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने या उसे संरक्षण देने का आरोप भारत द्वारा लगाया जाता तो पाकिस्तान यह कहकर अपना पल्ला झाडुने की कोशिश करता कि 'वह तो स्वयं आतकवाद का दश झेल रहा है और इसका मुक्तमोगी है।

म्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए बर्बरतापूर्ण व अमानवीय आतंकी हमले को देश जल्दी भुला नहीं पायेगा। इसमें 27 बेगुनाहों की जान चली गई जिनमें अधिकांश देश के विभिन्न राज्यों से आये हुये पर्यटक शामिल थे। इस अमानवीय घटना की जितनी भी निंदा की जाये वह कम है। इस घटना के बाद राजनीति, भारतीय मीडिया, सोशल मीडिया, पक्ष और विपक्ष से जुड़े कई ऐसे पहलू थे जिनपर चर्चा होनी स्वभाविक थी और वह हुई भी। जैसे इस त्रासदी को मख्य धारा के कहे जाने वाले टी वी चैनल्स ने एक बार फिर 'एजेंडा रिपोर्टिंग ' की तर्ज पर पेश कर देश में विभाजनकारी माहौल बनाने की पूरी कोशिश की। और इस आतंकी हमले को हिंदू बनाम मुस्लिम के रूप में पेश करने का भरसक प्रयास किया। इन टी वी चैनल्स को हमले के बाद कश्मीर सहित पूरे देश में इस हमले के विरुद्ध उपजी सहानुभूति, एकजुटता, पर्यटकों को बचाने, उन्हें पनाह देने व आतंकियों का बहादुरी से मुकाबला करते हुये स्थानीय कश्मीरी की जान देने व पर्यटकों के प्रति मानवता से पेश आने के दृश्य नजर नहीं नजर आये। न ही सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही न ही 'आपदा में अवसर' ढूंढने वाली विमानन कंपनियों द्वारा आतंकी हमले की दहशत के परिणामस्वरूप पर्यटकों की वापसी की भारी भीड़ को देखते हुये उनसे आठ से दस गुना तक अधिक किराया वसूल किया जाना दिखाई दिया।

बहरहाल 22 अप्रैल से लेकर अब तक इस विषय को लेकर दोनों देशों की ओर से कई कदम उठाये जा चके हैं। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो अहम फैसले लिए हैं उनमें मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान के बीच हुये सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, अटारी बॉर्डर को बंद करना, भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इसी मार्ग से लौटने के लिए 1 मई तक की समय सीमा निर्धारित करना, पाकिस्तानी नागरिकों को भारत का वीजा न देना. भारत में मौजद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय देना, सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाईकमीशन में तैनात पाकिस्तानी डिफेन्स एडवाइजर्स को भारत छोड़ने के लिए एक हफ़्ते का समय देना, तथा दोनों हाई कमीशन में तैनात कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 तक किया जाना शामिल है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के विरुद्ध कई फैसले लिये हैं जिनमें भारत के साथ हुआ शिमला समझौता स्थिगित करना, वाघा बॉर्डर से व्यापार परी तरह बंद करना, 30 अप्रैल तक जिन लोगों ने वैध कागजों के साथ इस रास्ते से पाकिस्तान प्रवेश किया है, उन्हें वापस लौटने का निर्देश देना, सार्क वीजा छूट योजना के तहत



भारतीय नागरिकों को दी गई वीजा छूट खत्म करना (सिख तीर्थयात्रियों को छोड़कर), भारतीय हाई कमीशन में काम कर रहे सैन्य सलाहकारों झ डिफेंस, नेवी और एयर अटैची को अवांछित व्यक्ति घोषित करना और उन्हें व उनके सहायक स्टाफ को 30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश देना, इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के कर्मचारियों की संख्या घटाकर 30 करना, पाकिस्तानी एयरस्पेस को अब भारतीय स्वामित्व या संचालन वाली सभी एयरलाइंस के लिए बंद करना तथा हर प्रकार का व्यापार चाहे वह सीधे भारत से हो या किसी तीसरे देश के जरिए, तत्काल प्रभाव से बंद कर देना जैसी घोषणायें

उधर दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध उठाये जा रहे इन कदमों के बीच पाकिस्तान की ओर से की गयी एक ऐसी स्वीकारोक्ति ने भारत द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध लगभग चार दशकों से लगाये जा रहे इन आरोपों को सच साबित कर दिया है कि पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी भी है और पनाहगाह भी। गौरतलब है कि स्काई न्यूज के संवाददाता ने पहलगाम में आतंकी हमले के सन्दर्भ में जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ से पूछा कि- ₹क्या आप मानते हैं कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? तो ख़्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान

आतंकी समूहों को धन मुहैया कराने के साथ-साथ उन्हें हर तरह से समर्थन करता रहा है। ख़्वाजा आसिफ ने एक बातचीत के दौरान कहा कि - ₹हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए करीब तीन दशकों से यह गंदा काम कर रहे हैं। ₹ इसे दूसरे शब्दों में कहा जाये तो पाकिस्तान अमेरिका व ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों की कठपुतली बनकर आतंकवाद की पनाहगाह व आतंकवादियों का 'मुख्य उत्पादक देश' बना हुआ है। रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ ने यह भी कहा कि - 'यदि हम सोवियत संघ के विरुद्ध युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड

परन्तु सच पूछिये तो धर्म के आधार पर भारत से विभाजित होकर 1947 में ही अलग अस्तित्व में आने वाले पाकिस्तान में शुरू से ही अधर्म, जोर जबरदस्ती, कट्टरपंथ, हिंसा व आतंकवाद का बोल बाला रहा है। और समय के साथ से यह और भी बढ़ता ही गया है। पाकिस्तानी नेताओं व शासकों द्वारा पोषित व प्रायोजित आतंकवाद का पहला निशाना तो पर्वी पाकिस्तान (तत्कालीन) के लोग ही बने। बड़े पैमाने पर हत्यायें बलात्कार क्या नहीं किया गया बंगाली मुसलमानों के साथ? तब कहाँ चला गया था इनका 'इस्लामी राष्ट्र '? क्यों 24 वर्षों में ही पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश वजूद में आया? उसके बाद पाकिस्तान के

हिमाचल की सड़कों पर मौत का तांडव कब थमेगा?

अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं, सिखों, शिया व अहमदिया मुसलमानों पर अत्याचार करने व उनकी हत्याओं का सिलसिला भी कोई केवल तीन दशक की कहानी नहीं है बल्कि यह सब घिनौनी हरकतें पाकिस्तान के वजूद में आते ही शुरू हो गयी थीं। स्वयं राष्ट्रपति जियाउलहक के दौर में पाकिस्तान में कट्टरपंथ व आतंकवाद खूब फला फूला। इसी पाकिस्तान में धर्म के नाम पर आत्मघातियों की भर्ती की गयी जिन्होंने मस्जिदों, दरगाहों, इमाम बारगाहों व अनेक धार्मिक जुलुसों में अब तक हजारों लोग मारे। उसके बाद इसी पाकिस्तान ने तालिबानों को शुरूआती दौर में पूरा संरक्षण दिया। उनके कार्यालय तक खोले गये और ओसामा बिन लादेन व मुल्ला उमर के समय में तालिबानी प्रवक्ता पाकिस्तान में बैठकर पत्रकार वार्ता करता तथा तालिबानी नीतियों को सार्वजनिक करता था। अफगानिस्तान की कट्टरपंथी तालिबानी सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश पाकिस्तान ही था। पाकिस्तान में पोषित तालिबानी ही आगे चलकर कट्टरपंथी व आतंकी गिरोह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नाम से जाने गये। और यही बाद में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के करीब संघीय प्रशासित कबायली क्षेत्र के चरमपन्थी उग्रवादी गुटों के संग्ठन के रूप में स्थापित हुये। इसका मकसद पाकिस्तान में शरिया पर आधारित एक कट्टरपन्थी इस्लामी अमीरात को कायम करना था। इस संग्ठन ने भी कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के प्रयास किये थे। तहरीक-ए-तालिबान ही वह संगठन था जिसके छः आतंकियों ने 16 दिसम्बर 2014 को पेशावर के सैनिक स्कूल पर हमला करके पाक फौजियों के ही 126 बच्चों की हत्या कर दी

इन सब वास्तविकताओं के बावजूद जब जब पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने या उसे संरक्षण देने का आरोप भारत द्वारा लगाया जाता तो पाकिस्तान यह कहकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करता कि 'वह तो स्वयं आतंकवाद का दंश झेल रहा है और इसका भुक्तभोगी है। परन्तु पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ की ताजातरीन स्वीकारोक्ति से यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंक फैलाने का केवल आरोपी ही नहीं बल्कि दोषी भी है। मसूद अजहर, कंधार विमान अपहरण, हाफिज सईद, कसाब, पहलगाम का ताजातरीन अमानवीय हमला ऐसे दर्जनों सुबूत हैं जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान द्वारा पोषित व संरक्षित आतंकवाद भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका है लिहाजा इसका स्थाई समाधान होना भी

संपादकीय

लापरवाही का नतीज

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की बढक्ष्स्ती समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व उप्र सरकार को उत्पन्न कचरे का यथार्थवादी मूल्यांकन करने, ठोस अपशिष्ट के 100प्र. संग्रहण व पृथककरण की निगरानी के लिए अधिकारियों को नियुक्त करने का आदेश दिया है। अदालत ने एनसीआर के राज्यों को नियमित अनुपालना रिपोर्ट देने के लिए एक सितंबर का वक्त दिया है। उसके बाद तिमाही अपडेट करने को भी कहा है। अदालत ने इन राज्यों व दिल्ली नगर निगम को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन



नियम, 2016 के विषय में जनता को शिक्षित करने का अभियान चालु करने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा है कि जब तक प्रावधानों का उचित प्रचार नहीं किया जाता और गैर-अनुपालन पर दंड़ लाग नहीं किया जाता तब तक प्रभावी कार्यान्वयन मायावी बना रहेगा। अदालत ने धुल प्रदुषण करने वाले निर्माण व ध्वंस उल्लंघन के विषय में बाद निर्देश जारी करने की भी बात की। कचरे को व्यवस्थित रूप से बायोड़िग्रेडेबल, गैर-बायोडिग्रेडेबल व खतरनाक श्रेणी में

अनिवार्य रूप से अलग करना पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी है। दिल्ली में प्रति दिन ग्यारह हजार टन से अधिक ठोस कचरा पैदा होता है, जिसमें से आधे को लैंडफिलों में डंप़ किया जाता है, जो खतरनाक स्तर पर बहुत पहले ही पहुंच चुके हैं। लैंड़फिलों से निकलने वाली मिथेन गैसों का जलवायु पर भयानक असर होता है। दिल्ली ही नहीं, बनिस्बत नये बसे इलाकों फरीदाबाद, गुरुग्राम व ग्रेटर नोएडा भी कचरा प्रबंधन से जुझ रहे हैं। पहले भी शीर्ष अंदालत इन इलाकों के कचरे को लेकर रिपोर्ट तलब कर चुकी है। शहरों का विस्तार या नई प्लानिंग के दौरान अपशिष्ट प्रबंधन की उँचित व्यवस्था को सुनिश्चित करने के सख्त नियम बनाने के जरूरत है। भारत सरकार के स्वच्छता मिशन सरीखे अभियान के दस वर्ष पुरे होने के बावजूद इसका कोई असर स्वच्छता पर नजर नहीं आ रहा जिसे लागू करना राज्य सरकारों का जिम्मा है। सरकार को चाहिए कि स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आने वाले इंदौर के कचरा प्रबंधन से अधिकारियों को सीख लेने की हिदायत दे। ऐसा मॉड़ल लागू करे जो अपशिष्ट प्रबंधन का उचित दिशा-निर्देशन करे और जनता को जागरूक करने के लिए अन्य विभाग भी मुस्तैद किए जाएं।

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो

एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबिक तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।



माचल में सड़क हादसों की लकीर नियति ने बहुत गहरी लिख दी है।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है।2025के चार महिनों में हजारो लोग मौत के मुह में समा चुके है। हादसों को देखकर हालात ऐसे बन गए है कि अल सुबह घर से निकले लोग शाम को घर पहुंचेगे इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। सडक हादसों हर रोज घरों के चिराग बझ रहे है।बच्चे अनाथ हो रहे है।मातओं व बहनों के सिदूर मिट रहे है। यह सिलसिला अनवरत जारी है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर प्रतिदिन भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे होते जा रहे है। एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए लाशों को ढ़ापने के लिए कफन कम पड़ गए ' 25 अप्रैल 2025 को पंडोह में एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोग मौत की नींद सो गए यह बहत ही दर्दनाक हादसा हुआ है एक साथ पांच चितायें जलने से हर आँखों से आंसू बह रहे थे शादी का माहौल मातम में बदल गया यह बारात से लौट रहे थे ' बीते साल 2024में भी बहुत दर्दनाक हादसे हुए थे यह हादसे बदस्तूर जारी हैं 'आकडों के अनुसार 4 दिसंबर 2023 का काला दिन काल बनकर 11 लोगों को लील गया था ' तीन सड़क हादसों में कई घरों के चिराग बुझ गए थे ' पहला हादसा शिमला जिला के सन्नी में हुआ था जहाँ एक पिकअप गहरी खाई में गिर गई और छः लोगों की मौत हो गई थी मरने वालों में जम्मू कश्मीर के चार लोगों की मौत हो गई थी यह चारों एक ही गाँव के रहने वाले थे तथा एक हप्ता

पहले ही काम प? सुन्नी आये थे ' दूसरा हादसा ददाहू संगड़ाह मार्ग प? एक टिपर खाई में गिर गया था और दो लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हो गए थे ' तीसरा हादसा मंडी जिले के गोहर के केलोधार में शादी समारोह में भाग लेकर जंजेहली लौट रहे तीन लोगों की कार खाई में गिर गई और तीनों की मौत हो गई थी और दो घायल हो गए थे इस हादसे में पित पत्नी की मौत हो गई ' एक दिन में ग्यारह लोगों की मौत से लोग सदमे में है ' 2 नवबंर 2023 को करवा चौथ के दिन मंडी व बिलासपुर में दो सड़क हादसों में तीन महिलाओ समेत छह की मौत हो गई थी और आठ लोग घायल हो गए थे यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ था जो असमय ही इतनी जिंदगीयाँ लील गया था ं करवा चौथ के दिन हुआ यह हादसा कभी नहीं भूलेगा ' चारों तरफ चीखो पुकार मच गई थी पल भर में लोग चिथडों में बदल गए थे 'भीषण सडक हादसे कब रुकेंगे यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है ' दर्दनाक हादसे में किसी ने अपना पित तो किसी ने अपनी पत्नी खोई है ' कोटली व घुमारवीं में हुए इन हादसों से लोग मातम में हैं 'वर्ष 2018 में शिमला 130 किलोमीटर दूर मुगंरा में एक वाहन के खाई में गिरने से 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।हादसें में मरने वालों में पांच लोग एक ही परिवार के थे मरनेवालों में ज्यादातर चिड़गांव के गावों के थे । मरने वालों में चार महिलाएं आठ पुरुष व एक बच्ची थी । मतक आपस में करीबी रिश्तेदारथे ।मौत के इस दर्दनाक मंजर में हुई इन अकाल मौतों से हर हिमाचली गमगीन हुआ था। यह लोग हाटकोटी से उतराखंड में मदिर दर्शन को जा रहे थे।मगर मंदिर पहुचने से पहले ही काल के गाल में समा गए। हर रोज सड़के खून से लाल हो रही है लाशों के ढेर लग रहे हैं।लापरवाही से घरों के चिराग असमय बुझते जा रहे हैं। परिवार के परिवार खत्म हो रहे है। लाशों के अग्नि देने वाले भी नहीं बच रहे है।हजारो लोग तामउम्र हादसों का दंश झेल रहे है।पल भर में जीता-जागता आदमी लाशों के चिथड़ों में तब्दील हो रहा है।बच्चे अनाथ हो रहे

रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें। इन सड़क हादसों से हर हिमाचली उद्वेलित है। गत वर्ष शिमला के रामपुर के खनेरी में पास बस के खाई में गिर जाने से 28 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कांगडा के देहरा के ढिलयारा में श्रध्दालूओं की एक बस खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई थीं और 45 के लगभग बुरी तरह से घायल हो गए थे।बस 200 मीटर गहरी खाई में गिरी थी।प्रदेश में हर रोज हादसों का सिलसिला जारी है।प्रतिदिन भीषण हादसे होते जा रहे है ।प्रदेश में एक दिन में 13 लोगों की मौतें बहुत ही दखद है। प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी की सडक हादसे में मौत न हुई हो हादसों का यह क्रम लगातार जारी है।सबक न सीखना लोागों की आदत बन गया है इतने हादसे हो रहे है मगर सुधार शून्य ही है।इस पर मंथन करना होगा। जनवरी 2023से लेकर अक्टूबर 2025 के चार महिनों में हजारों हादसे हो चुके है और हजारों लोग मारे जा चुके है और यह सिलसिला थमनें का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कई भीषण हादसे हो चुके है।कुछ साल पहले भीषण हादसा मंडी के झिड़ी चालक की लापरवाही के कारण 40 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई थी। व्यास नदी में गिरी इस बस में लगभग 70 सवारियां सवार थी। चालक कथित तौर पर मोबाईल फोन पर बात कर रहा था कि बस अनियंत्रित हो गई और नदी में समा गई। पल भर में ही यात्री लाशों में तब्दील हो गये। गनीमत रही कि राफटिंग दल ने जान जोखिम में डालकर 17 लोगों की जिदंगियां बचा ली नहीं तो मरने वालों का आंकडा 60 हो जाता यह हादसा नहीं सरासर हत्या थी कि चालक ने खुद छलांग लगाकर यात्रियों को असमय मौत के मुहं में धकेल दिया। बीते हादसों से न तो यात्रियों ने सबक सीखे और न ही प्रशासन ने कोई सबक सीखा ।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर हादसे ओवरलोडिगं के कारण होते है क्योंकि इस 42 यात्रियों कि क्षमता वाली बस में 70 यात्री सफर कर रहे थे। कांगडा के आशापुरी में तथा बिलासपुर के बंदला में

में भी 12 यवकों की मौत हो गई थी। हमीरपुर में भी मजदूर दिवस के दिन एक टाटा सुमों के खाई में गिरने से 10 मजदूरों की मृत्यु हो गई थी बिति 2024 में इतने बड़े-बड़े हादसे हुए मगर इसमें सुधार नहीं हुआ।आखिर कब थमेगा यह मौत का मंजर इसका जबाव प्रशासन को देना होगा। प्रतिवर्ष हजारों लोग हादसों का शिकार होते है तथा इतने ही घायल होते है लोग असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं मगर हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते ही जा रहे है लोग बीते हादसों को कैसे भूल जातें है हिमाचल में हर रोज लापरवाही के कारण लोगों को मौत नसीब हो रही है अगर लोग जरा सी सावधनी बरते तो हादसों को रोका जा सकता है और अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है।बीते हादसों पर नजर उाली जाए तो रौगटे खंडे हो जाते है। सड़को पर मौत रेंग रही है और सड़के रक्तरंजित हो रही हैं। अमूमन देखा गया है कि निजि बसों के कारण ज्यादातर दर्घटनाएं हो रही है। क्योंकि इन बसों में अप्रशिक्षित चालकों की लापरवाही के कारण भंयकर हादसे हो रहें हैं। मोबाइल पर प्रतिबन्ध है लेकिन इसकी खुजेआम धज्जियां उडाई जा रही है। प्रशासन भी हादसे के कुछ दिन सक्रियता दिखाता है फिर वही हालात हो जातें है। लोग भी किराये में कुछ रियायत के कारण सरकारी बसों में यात्रा न कर निजि बसों को अहमिहत देतें है और जिदंगियों से खिलवाड करवातें है। चंद चांदी के सिक्कों की खतिर बसों के परिचालक बसों में अपेक्षा से अधिक यात्रियों को बिठाते है और खुद मौत को निमंत्रण देते हैं। प्रतिदिन सडकों पर ओवरलोडिंग बसें सरपट दौडती रहती है मगर प्रशासन आखें बंद करके सोया रहता है जब हादसा हो जाता है तब इसकी कुभंकरणी नींद टूटती है । प्रशासन के पहुचनें तक लोगों की सासें खत्म हो चुकी होती है। यदि प्रशासन समय= पर कारवाई करता रहे तों इन हादसों पर लगाम लग सकती है। मगर ऐसा नहीं होता ।समझ से परे है कि प्रशासन जितना पैसा राहत कार्यों में बांटता है यदि पहले ही सुरक्षा बरती जाए तो लोगों की अनमोल जिन्दगियां बच सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीयः पाकिस्तान से पानी का रिश्ता खत्म



प्रमोद भार्गव

श्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने कड़ा रु ख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार किए हैं। इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करना है। यह ऐसी कूटनीतिक चाल है, जिससे पाकिस्तान को भीषण जल संकट का सामना तो करना पड़ेगा ही, उसकी आर्थिक समृद्धि पर भी यह फैसला करारी चोट करेगा। अटारी-वाघा सीमा-द्वार बंद कर दिया है। भारत ने पाकिस्तान से अपने सैन्य राजनियकों को वापस बुला लिया है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। इन्हें एक सप्ताह में

भारत छोडना होगा।

ये सभी निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में

संपन्न केंद्रीय कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए। आतंकवादियों की शरणस्थली बने पाकिस्तान को ये कूटनीतिक सबक समय की जरूरत हैं। अमानुषिक दगाबाजी के आदी पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने 16 अप्रैल, 2025 को इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान के 'गले की नस' है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिश रच कर कश्मीर के अवाम की इसी आर्थिक श्वास की नली को अवरुद्ध कर दिया है। अब भारत ने पलटवार करते हुए सिंघु की जलधार को अवरुद्ध करके ईट का जवाब पत्थर से देने का काम किया है। यदि यह जवाब बहुत पहले दे दिया गया होता तो शायद पाक से निर्यातित आतंक इस कदर नहीं पनप पाता।

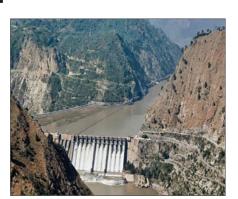
है। प्रदेश में प्रतिदिन हो रहे इस मौत के ताडव को

19 सितम्बर, 1960 को सिंधु जल संधि में भारत और पाकिस्तान के बीच निदयों का पानी बांटने का समझौता हुआ था। इस समझौते पर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के तब के राष्ट्रपति अयुब खान ने हस्ताक्षर किए थे। संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी। इसके तहत पाकिस्तान से पूर्वी क्षेत्र की तीन निदयों व्यास, रावी व सतलुज की जल राशि पर नियंत्रण भारत के सुपुर्द किया गया था और पश्चिम की नदियों सिंधु, चिनाब व झेलम पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पाकिस्तान को सौंपी गई थी। इसके तहत भारत के ऊपरी हिस्से में बहने वाली इन छह निदयों

का 80.52 यानी 167.2 अरब घन मीटर पानी पाकिस्तान को हर साल दिया जाता है जबकि भारत के हिस्से में महज 19.48 प्रतिशत पानी ही रह जाता है। नदियों की ऊपरी धारा (भारत में बहने वाला पानी) के जल-बंटवारे में उदारता की ऐसी अनूठी मिसाल दुनिया के किसी भी अन्य जल-समझौते में देखने में नहीं आई है। इसीलिए अमेरिकी सीनेट की विदेशी मामलों से संबंधित समिति ने 2011 में दावा किया था कि यह संधि दुनिया की सफलतम संधियों में से एक है लेकिन यह संधि केवल इसलिए सफल रही क्योंकि भारत संधि की शर्तों को निभाने के प्रति उदार एवं प्रतिबद्ध बना रहा जबिक जम्मू-कश्मीर को हर साल इस संधि के पालन में करीब 60 हजार करोड़ रु

भी ऐसे भीषण हादसे हो चुके हैं। अप्रैल माह में चंबा

पये का नुकसान उठाना पड़ता रहा है। दरअसल, द्विपक्षीय वार्ता के बाद शिमला समझौते में स्पष्ट उल्लेख है कि पाकिस्तान अपनी जमीन से भारत के खिलाफ आतंकवाद को फैलाने की इजाजत नहीं देगा किंतु पाकिस्तान इस समझौते के लागू होने के बाद से ही इसका उल्लंघन करता रहा है। लिहाजा, पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देने के नजरिए से सिंधु जल-संधि के पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की मांग लंबे समय से उठ रही थी। पुलवामा हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए पाकिस्तान की ओर बहने वाली निदयों का पानी रोकने की बात कही



तय है कि इस कूटनीतिक पहल से पाकिस्तान की कमर टूट जाएगी। नदियों के प्रवाह को बाधित करना इसलिए भी अनुचित नहीं है, क्योंकि यह संधि भारत के अपने राज्य जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के लिए न केवल औद्योगिक व कृषि उत्पादन के लिए पानी के दोहन में बाधा बन रही है, बल्कि पेयजल के लिए नये संसाधन निर्माण में भी बाधा है। हैरानी की बात यह भी है कि पाकिस्तान में सत्तारूढ़ रहने वाली सरकारों और अलगाववादी जमातों ने इस बुनियादी मुद्दे को अनदेखा किया। इसलिए आतंक का माकूल जवाब देने के लिए भारत सरकार की कूटनीतिक पहल का स्वागत होना

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Munir's backward march: When rant fuels hate

After the havoc inflicted by Covid-19 — and the continuing damage wrought by climate and - at a G20 assembly not too long ago, here in India, there was a synchronised clarion call: "The world is one — one planet, one people, unity in diversity." It resonated. It then seemed that it would take a peculiar kind of person to preach division. As we now know, it did not take long for a Munir to surface. And yet, Pakistan's Army Chief, Asim Munir, in invoking the ghost, has done precisely that. With chilling certainty, he claimed that "our ambitions, traditions, customs are different from Hindus" and thatWhat he fails to grasp — or perhaps fears to admit — is that while traditions and customs may vary, the essence of humanity does not. Beneath the robes of religion, the veils of culture and the uniforms of power, we are the same species — seeking dignity, safety and meaning. When a man is possessed by the accident of his birth, he becomes not a leader but a prisoner bound not by reason, but by the myth of blood. Munir is not leading his people into the future; he is marching them backward, into history's darkest corners, where identity was weaponised and difference made deadly. If there is any shred of doubt, rewind not only what happened in Pahalgam — dastardly in itself — but also the sequence, the actions, the utter disregard for every value espoused by the holy book. To divide humanity along lines drawn by history's most violent architects is to reject the soul's greatest truth: that we are born not as nations, not as faiths, but as humans. Let us be clear: this is not a critique of faith, culture or pride in one's heritage. These are deeply personal — often beautiful — aspects of human identity. But when wielded by men in uniform to justify division, to foster suspicion, or to draw arbitrary lines of "us" and "them," they become tools of tyranny, not tradition. Strip away the uniform, the rhetoric, the rehearsed pride and you'll find a man just afraid to be free of his illusion. The subcontinent has paid in blood for these illusions. The Partition tore through families, friendships and centuries of shared existence. To echo its logic in 2025 is not only irresponsible, it is dangerous. Munir's words are not merely outdated; they are an assault on the progress that millions have fought for. Unless it is his intention to do another — in line with his ilk: first in 1947, then in 1971 by Yahya Khan in East Pakistan, and now in 2025. God knows what his target is for his imagined hat-trick.Michael Rubin, a former Pentagon official, used a blistering metaphor referring to Pahalgam: "It was shocking, but this just goes to show you that you can put lipstick on a pig, but it's still a pig. You can pretend that Pakistan isn't a terror sponsor, but it remains a terror sponsor, no matter how much we try to normalise."He went further: "The only difference between Osama bin Laden and Asim Munir is that bin Laden lived in a cave and Munir lives in a palace. Beyond that, they are the same," Rubin told ANI, calling for strict action against Pakistan.

The people of South Asia deserve more than this. They deserve leaders who dare to see beyond inherited hatred — who recognise that difference is not a threat, but a strength. And that peace does not come from separation, but from understanding. If Munir has a plan, he should hear the voices of the teeming millions in his streets, who have long lived on the wrong side of the gunsand-butter divide.Let this moment serve as a mirror for the people of Pakistan. Munir, apparently questioned by veterans over his ineptitude in handling internal threats or eminently jealous of the goings-on in Kashmir, was playing a fear card. His tirade — laced with incendiary language and a call to reclaim lost dignity circulated widely online. He was perhaps smarting will tell. The global response was swift and mournful. US President Donald Trump called it "a crime against humanity." Russia's Vladimir Putin condemned it as "a brutal and unforgivable act." Former UK Prime Minister Rishi Sunak mourned "lives stolen in joy and innocence," while South Korea, the UAE and Nepal, all issued statements of solidarity, denouncing the attack in unequivocal

As the Valley unites, the nation must listen

A lesser-known reason for the historical alienation of the Valley from the rest of the country has been the apathy of the national civil society towards Kashmir.

After being shell-shocked by the massacre in the meadows of Pahalgam, the people of Kashmir have risen up and responded in one voice against the inhuman carnage. It has been very encouraging to see that not just politicians, business associations, professional bodies but also apolitical motely groups of men and women come onto the streets to sympathise with the victims and stand firmly against the crime committed against humanity. Indeed, it has been seen as a criminal act against Kashmir and Kashmiris. Rarely, if ever before, has such a show of solidarity been put up so spontaneously. The entire Valley has revolted against the killings and how. Right across the Valley, from Kulgam to Kupwara, and from Shopian to Sopore, people have been unequivocal in their condemnation of the killings of the 26 tourists. Srinagar, of course, was on the forefront of all the condemnation gatherings. Silence is now seen as condoning. That precisely is the sentiment in the nooks and corners of the Valley. The solidarity with the people in the rest of the country has been exceptional. Sad that it isn't getting enough traction on the social media, which is fuelling unvarnished toxicity. The elected state government, on its part, apart from reacting to the situation, having been caught completely off guard, has also in a rare gesture of proactive consensus-building sought the convening of a session of the local Assembly to discuss the massacre of civilians and the way forward. This is a significant step towards not only articulating and endorsing the Kashmiri viewpoint but also seeking to build a political consensus on limiting the fallout of the terrorist attack.

The spontaneous response of the people and the efforts of the local political class represent the green shoots of a people's movement for peace. This could be the turning point because till now, civil society has looked up to the state to lead the way. This time around, it is being led by not just the institution of civil society but also people from all walks of life. This nascent movement needs to be consciously developed into an institutionalised peace movement of the civil society of the Kashmir. It must be increasingly assimilated deeper into the society, especially the younger generation. More than the government, it is the civil society that needs to respond, cutting across political parties and ideologies. The base of the new narrative has to be set by the institutions of civil society. The public expression of rejection of violence this time around is being done in the belief that it is blatantly violating the values and norms, indeed the value system of Kashmiris. If persisted with and nurtured carefully, it will, over time, build a network of social connectedness between the civil society institutions, transcending the boundaries of the Valley.Indeed, a lesser-known reason for the historical alienation of the Valley from the rest of

the country has been the apathy of the national civil society towards Kashmir. While the trade and commerce networks, including tourism, have played a key role in disengagement of the rest of the country with Kashmir that led to alienation. The efforts to politically disengage from the Indian state during the 1990s was a consequence, not the cause. To take the argument to a different level,

generates incomes, but over the years, it also builds robust and enduring social connectedness with the rest of the country. Indeed, travel and tourism are a peace industry. integrating the Valley, it has been the social Historically, in Kashmir, tourists have been harbingers and ambassadors of socio-economic integration with the mainland and respectful of human differences and cultural diversity, which has resulted in revitalisation and regeneration of native cultures. Kashmiris can survive



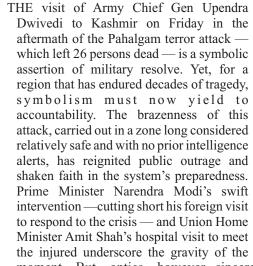
when causative factors and prescriptive ideas for the Kashmir problem are sought, the focus always is on the Indian state, as in the Union government. This has been done without putting it in a larger societal context and the role of civil society in creating and furthering the problem in Kashmir. Or, at the very least, in not helping resolve the matter. The limits to state action are obvious.In the context of this apathy of the past, the antagonism that is on display in some pockets of the country is not only disturbing but also detrimental in the long term. The harassment of Kashmiris, especially the younger generation — the students — in many states will nip the emerging people's peace initiative even before it gains any traction. This cannot be the way forward for anyone. The Union and all state governments must step in and decisively quell these fringe elements from gaining the centre-stage of a negative narrative. The reaction of the masses in the Valley should make it clear to everyone that Kashmiris have never treated tourists as ATMs for their

without incomes from tourism but they cannot live in social isolation in Kashmir amid ostracisation in the rest of the country. This is not to minimise the damage that even episodic bouts of violence can do to the economy of the Valley, which is primarily an import-substituting export-oriented one. Within an hour of the massacre at Pahalgam getting known across the globe, foreign investors who had over the last couple of years made a careful foray into the Valley in small startups and enterprises were concerned about the situation in the Valley. The response of the domestic investors, who according to official data have submitted proposals worth nearly Rs 1.75 lakh crore, may not be as instantaneous, but it will not be very different if such episodes of violence reoccur. This is bound to lead to economic distress. Today, India, both as a polity and society, is battling it out to recalibrate its foundational balance as a nation. Kashmir played a distinctive role in the construct of a post-colonial Indian nationhood. Even now, despite its bruised identity.

Beyond visits

trade and tourism enterprises. Their presence, of course,

Fix what failed in Pahalgam



moment. But, optics, however sincere, cannot substitute for systemic reform. J&K Lt Governor



Manoi Sinha's call to "hunt down every perpetrator" only satisfies a short-term need for reassurance. The questions in everybody's minds are pointed: Why were

there no troops in a region of vulnerability? What were the intelligence agencies doing? And how did terrorists so easily penetrate the security apparatus? These queries demand transparent answers — not just public statements but a plugging of the holes exposed by this attack. As General Dwivedi reviews operational coordination among the security forces, what Kashmiris — and the nation — seek is more than just a reactive tightening of protocols. The crisis must prompt a reimagining of intelligencesharing mechanisms, faster response frameworks and ownership of security outcomes. In Kashmir, the stakes are always high — militarily, emotionally and politically. For those who lost loved ones in Pahalgam, national resolve means little unless it translates into real change. Boots on

the ground must now be matched by a willingness to confront uncomfortable truths — and correct them.

The messages from Baisaran

THE GREAT GAME: Kashmiris are telling Pakistanis to not just mind their business, but to back off

The drumroll of death at Pahalgam, the staccato rollcall of people from small-town India who fell to the bullets of terrorists this week is enough to send shivers down the spine of the worst cynic. Shivamogga. Panvel. Visakhapatnam. Nellore. Thane. Karnal. Hyderabad. Bhavnagar. Tajang village in Lower Subansiri. Kozhikode.From Kashmir to Kanyakumari, we are told from the day we are born, India is one. If the 2008 Mumbai attacks were intended to bring India's financial centre, and therefore India, to its knees, the message from the perpetrators at Baisaran is simple. Don't try and normalise Muslim-majority Kashmir, it's the heart of the two-nation theory, valid at the Partition and still applicable today. Hindus and Muslims are different and must live separately. So don't for one moment think that Kannadigas and Malayalis and Maharashtrians and Gujaratis and Haryanvis can run around the meadows of Kashmir and pretend they are in Switzerland admittedly, this is far prettier than Switzerland — just because the Modi government has trashed Article 370 into the dustbin of history and sought to reframe its present.But if you think about it, the message from Baisaran is really quite different. The manner in which Kashmiris have risen up to condemn this awful massacre, from Omar Abdullah to the family of ponyrider Syed Adil Hussain Shah — who wrenched the gun from the hands of a terrorist who then turned it upon the poor daily-wager — thereby sending the unequivocal message, that they would any day of the week seek peace over those pretenders pushing the cause of separateness.

For the first time in 35 years since the exodus of the Kashmiri Pandits and all those years of insurgency that followed, when cries of "azaadi!" rang across the Muslim-majority valley, Kashmir's Muslims are once again spitting upon the debris of the so-called "twonation theory." They did it first in 1947, angering the



newly independent Pakistan, who sent the Raiders in. They did it in 1999, tipping off the Indian Army about intruders at Kargil. They are at it again today.

The truth is that the very rude revocation of Article 370 in 2019, that spelt long periods of incarceration for many as well as the vulgar violation of their constitutionallyguaranteed rights, has given ordinary Kashmiris just a little breathing space. At last, mothers and children can experience the ordinary but precious freedom of sitting openly in parks and discuss the day's events. Kids are going to school again — and the walls of the school are so low you can see them playing football inside. Women in full, black hijab sit and share ice-cream with male friends on the banks of the Jhelum in Srinagar. The rest of Hindustan is flocking to Amir Khusrau's jannat — as

many as two crore tourists last year. For the moment, the debates about self-respect and autonomy and the oftenfraught relationship between Srinagar and Jammu and Delhi, must be pushed to the back of the mind. Those debates are very much alive and won't be forgotten led by the fact that J&K has still not been given its statehood seven months after a hugely peaceful election. For the moment, though, as they mourn with the rest of the country, Kashmiris are telling Pakistanis to not just mind their business, but to back off and leave them alone.

Notice, too, the reaction within Pakistan. Deputy Prime Minister and Foreign Minister Ishaq Dar has been fielded in the foreign media to defend India's charge that the terrorists are Pakistani. He ends his denial by saying that the real issue is that the "Kashmir question" is an international one and must be resolved in accordance with the 1949 UN resolutions.

Perhaps Dar didn't notice that the Kashmiris resolved the question for him earlier this week, by participating in protests and vigils against the Pahalgam massacre which began and ended with "Not in my name."

The Pakistani media is also reporting that this is a "false flag operation," meaning, the Indians did it to themselves to distract from the Modi government's problems at home. One wonders how the Mumbai attacks would have played out if Ajmal Kasab had not been caught. In any case, there's been no movement on bringing the Mumbai guilty to justice. It's been 17 years but those masterminds still roam free in Pakistan.

Still, a new chapter of the great game is already unfolding. As India and the US come closer together, it is worthwhile to note that Beijing has still not condemned the Pahalgam attack, except for a tweet by the Chinese ambassador to India. Clearly, the Chinese are watching as the phone lines burn in different quarters of the globe. As its stock market crashes, Pakistani will be hoping the US can restrain Modi; while Modi is likely telling Trump why he wants to give Pakistan a bloody nose.

When he will do that, how much further he will go beyond the 2019 Balakot strikes and whether anyone cares to spare a thought for ordinary people caught in the trauma of the world's oldest cross-border tangle — are some of the stories The Tribune's reporters are reporting these days. Some of the most heart-rending are stories of children from cross-border marriages — the wives are Indian nationals, but the husbands are Pakistani — how they are caught in a no-man's land that rivals the ridiculousness of Toba Tek Singh.Perhaps the one jewel afloat in the darkness of our times is the fact that the Kartarpur Sahib corridor that leads to Kartarpur Sahib is still open — so far.

Mcap of six of top 10 valued firms soars by Rs 1.18 trillion; TCS biggest gainer

New Delhi. The combined market valuation of six of the top-10 valued firms soared by Rs 1,18,626.24 crore last week, with Tata Consultancy Services stealing the show with maximum gains. Last week, the BSE benchmark gauge climbed 659.33 points or 0.83 per cent, and the NSE Nifty went up by 187.7 points or 0.78 per cent.Reliance Industries Ltd, HDFC Bank, Tata Consultancy Services (TCS), State Bank of India, Infosys and ITC were the winners, while Bharti Airtel, ICICI Bank, Bajaj Finance and Hindustan Unilever took a hit in their valuation. The market valuation of TCS surged by Rs 53,692.42 crore to Rs 12,47,281.40 crore, the most among the top 10 firms. Reliance Industries added Rs 34,507.55 crore taking its valuation to Rs 17,59,276.14 crore. The market valuation of Infosys jumped Rs 24,919.58 crore to Rs 6,14,766.06 crore and that of HDFC Bank rallied by Rs 2,907.85 crore to Rs 14,61,842.17 crore. State Bank of India's market capitalisation (mcap) climbed Rs 1,472.57 crore to Rs 7,12,854.03 crore. The mcap of ITC went up by Rs 1,126.27 crore to Rs 5,35,792.04 crore. However, the valuation of Bharti Airtel tumbled by Rs 41,967.5 crore to Rs 10,35,274.24 crore and that of Hindustan Unilever by Rs 10,114.99 crore to Rs 5,47,830.70 crore. The market valuation of Bajaj Finance fell by Rs 1,863.83 crore to Rs 5,66,197.30 crore and that of ICICI Bank by Rs 1,130.07 crore to Rs 10,00,818.79 crore.

Reliance Industries retained the title of the most valued firm followed by HDFC Bank, TCS, Bharti Airtel, ICICI Bank, State Bank of India, Infosys, Bajaj Finance, Hindustan Unilever and ITC.

SGB: RBI fixed Rs 9,600 premature redemption price for bonds due on April 28

Kolkata. Reserve Bank of India (RBI) has set premature redemption price for another tranche of the SGB (Sovereign Gold Bond) Scheme, Series I of 2020-21. The price has been fixed at Rs 9,600 per unit, which is scheduled for Monday, April 28, 2025. The guidelines state that investors can exit early from SGBs if they have completed five years from the date of issuance. SGB of Series I of 2020-21 were issued on April 28, 2020 and therefore, the five-year period ends on April 28.

Significantly, earlier in the week beginning April 21, RBI announced premature redemption prices for two other series of SGB. These were those of Series IV issued in 2017-18 and Series II issue in 2018-19. It can be recalled that the Centre introduced the SGB Scheme in 2015-16. One of the major objectives of the government was to curb the demand for physical gold by encouraging investment into gold bonds. Gold ETFs, by the way, are also a way of curbing the demand for physical gold. Both can shift the demand for gold bars and coins that are needed for investment. How is redemption price calculated

For SGBs, there is simple formula to fix the redemption price. It is the arithmetic average of the closing price of gold of 999 purity — 24 carat in popular terms — in the preceding three trading days. These rates are according to the data of India Bullion and Jewellers Association. According to this principle, the price of rs 9.600/gm was arrived at by calculating the closing prices of Gold 999 on April 23, 24, and 25.SGBs attracted a lot of investments. particularly due to the safe nature of the instrument and the fact that the government was paying interest of 2.5% annually on the initial investment. Another factor was that the price of gold was continuously rising. Also it was declared that if the sovereign gold bonds were held till maturity (eight years), the gains would be exempt from capital gains.

Hybrid mutual fund inflows ease in FY25, but investor interest and AUM surge

NEW DELHI. Hybrid mutual fund schemes witnessed a moderation in net inflows during FY25, drawing Rs 1.19 lakh crore — an 18 per cent decline from the previous fiscal — amid market turbulence in the latter half of the year driven by corporate earnings slowdown and geopolitical tensions. However, investor participation and assets under management (AUM) in the category showed strong growth, underscoring sustained investor confidence in hybrid offerings.

According to data from the Association of Mutual Funds in India (Amfi), the number of hybrid fund folios surged to 1.56 crore in March 2025 from 1.35 crore a year earlier, indicating an addition of over 33 lakh investors. Meanwhile, the AUM of hybrid schemes grew 22 per cent to Rs 8.83 lakh crore from Rs 7.23 lakh crore in FY24, according to PTI.

A key factor behind this resilience has been the balanced structure of hybrid funds, which invest in a mix of equity and debt instruments, offering drawdown protection through the debt component. This makes them a preferred choice for investors seeking a more stable investment experience compared to pure equity funds.

The drawdown protection offered by the debt component of hybrid schemes is a key reason, as it allows investors to stay invested without the stress that comes with pure equity volatility," said Trivesh D, COO of Tradejini. Despite the dip in inflows from Rs 1.45 lakh crore in FY24 to Rs 1.19 lakh crore in FY25, the hybrid category continues to perform better compared to FY23, which saw a net outflow of Rs 18,813 crore. The decline in FY25 inflows is attributed to weaker market sentiment in the second half of the year and a significant drop in new fund offers (NFOs) — from 21 in FY24 to just 12 in FY25.Feroze Azeez, Joint CEO of Anand Rathi Wealth Ltd, said, "The slowdown in inflows majorly happened in the second half of FY25 due to market turbulence driven by corporate earnings slowdown, election uncertainty, geopolitical tensions, and a dip in NFOs in this category.'

Centre Launches Portal, Guidelines For Electronics Component **Manufacturing Scheme**; Aims For Large Investments

New Delhi. Centre has launched guidelines and portal for the Electronics Component Manufacturing Scheme (ECMS) to develop a strong component ecosystem by attracting large investments, both global and domestic, in the electronics component manufacturing ecosystem. Union Minister for Electronics and Information Technology Ashwini Vaishnaw launched the guidelines and portal on April 26. The Underscoring the importance of Union Cabinet, chaired by Prime Minister, had approved the Electronics Component Manufacturing Scheme (ECMS), which was notified on April 08, 2025. The scheme aims to develop strong manufacturing capacity and capabilities and integrate Indian companies with Global Value Chains (GVCs). Speaking at the launch, Union Minister stated that electronics production has grown fivefold and exports have grown more than six-fold, with export CAGR exceeding 20 per cent and production CAGR over Vaishnaw also spoke about India's 17 per cent. He added that mobile phones,

servers, laptops, and IT hardware have seen very strong progress and that the industry is poised to take off significantly. Vaishnaw described ECMS as a horizontal scheme that will support not just electronics but also industrial, power, automobile sectors and more. He emphasized that a complete ecosystem for electronics manufacturing is coming into place across the country.

innovation and quality, the Minister said that many companies have now established design teams, and it is essential that every participant develops such teams. Stressing on quality, he called for achieving Six Sigma standards across the sector, warning that those not adhering to quality benchmarks would be cut short. He said the twin focus on design capability and quality excellence would drive India's leadership in electronics.

advances in AI and data-driven solutions.



He informed that 350 datasets have already been uploaded on AI Kosh, and four AI tools developed by IITs will soon be released. He further stated that techno-legal solutions are being developed to strengthen the electronics

ecosystem. The Minister informed that ECMS has a strong pipeline of projects ready for approval and expressed confidence that this marks just the beginning of India's rapid growth as a global electronics hub.

Switching Jobs EPFO's Big Update Will Simplify Your PF Transfer — Details Here

New Delhi. Switching jobs just got easier for employees with the new EPFO reform. The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) has introduced a revamped Form 13 and upgraded its software, making provident fund transfers faster and hassle-free. This move is expected to benefit over 1.25 crore members and is part of EPFO's ongoing efforts to digitize processes, boost transparency, and reduce the procedural burden on Indian workers. Starting January 2025, employees no longer need employer approval for most provident fund (PF) transfers. This change eliminates the need for coordination between the source and destination EPFO offices, which previously caused delays in the transfer process. The new system simplifies the PF transfer process by allowing the source office to approve The change clears up confusion around claims. After this the amount is



directly credited to the employee's account at the destination office without any further verification needed. This has made transfers faster and reduced complaints. Moreover, the updated Form 13 now clearly separates taxable and non-taxable portions of PF savings. This will ensure more accurate TDS calculations on interest earnings. This improvement improves tax compliance and transparency.

tax liabilities, addressing a long-

standing issue for PF members. EPFO estimates that these improvements will help transfer nearly Rs 90,000 crore annually, making the process much smoother. This will not only boost efficiency but also improve member satisfaction.

Generating UANs in Bulk

EPFO has launched a new feature that allows employers to generate Universal Account Numbers (UANs) in bulk, even without Aadhaar seeding. This new functionality in field offices makes it easier to create UANs using existing member data, simplifying the validation and settlement of claims, especially for workers from exempted trusts. However, to protect PF savings and minimize risks, UANs generated without Aadhaar will remain frozen until further action is taken.

Mistake In Your Aadhaar Date Of Birth? Here's How To Fix It—Check **Step-by-Step Guide**

New Delhi. The Aadhaar card is a crucial document for everyday needs like getting a SIM card, opening a bank account or applying for a loan. Issued by the Unique Identification Authority of India (UIDAI), it carries your personal and biometric details. Even a small mistake, like an incorrect date of birth can cause major issues during official verifications or when accessing government schemes. That's why it's important to spot and fix any errors on your Aadhaar card without delay. Can you update your date of birth on your Aadhaar card more than once? As per UIDAI rules, the date of birth can be corrected only once, so it's important to ensure the details are accurate. How to change your date of birth in Aadhaar:

Visit your nearest Aadhaar Enrolment Center.

- Fill out the Aadhaar update/correction form and mention the details you want to update, including proof of your date of birth.
- Submit the form and provide your biometric details for verification.
- Pay a fee of Rs 50 to update your date of birth.

Tesla could benefit the most from new rules on reporting of self-driving car crashes

NEW YORK.Rule changes announced by the Trump administration this week could allow automakers to report fewer crashes involving self-driving cars, with Tesla potentially emerging as the main beneficiary. The Transportation Department announced Thursday that it will no longer require automakers to report certain kinds of non-fatal crashes — but the exception will apply only to partial self-driving vehicles using so-called Level 2 systems, the kind Tesla deploys. Tesla CEO Elon Musk had complained the old reporting rules cast his company in a bad light. If Tesla and other automakers are required to report fewer crashes into a national database, that could make it more difficult for regulators to catch equipment defects and for the public to access information about a company's overall safety, auto industry analysts say. It will also allow Tesla to trumpet a cleaner record to sell more cars. This will significantly reduce the

number of crashes reported by Tesla," said auto analyst Sam Abuelsamid at Telemetry Insight. Added Dan Ives of Wedbush Securities, noting that Tesla rival Waymo won't get an exception, "This is a win for Tesla, a loss for Waymo."Tesla stock soared nearly 10% Friday on the rule changes. Wall Street analysts, and Musk critics, have said that Musk's role as an adviser to President Donald Trump could put Tesla in position to benefit from any changes to regulations involving selfdriving cars. Other car makers such as Hyundai, Nissan, Subaru and BMW make vehicles with Level 2 systems that help keep cars in lanes, change speed or brake automatically, but Tesla accounts for the vast majority on the road. Vehicles used by Waymo and others with systems that completely take over for the driver, called Automated Driving Systems, will not benefit from the change. The National Highway Traffic Safety

Administration, which enforces vehicle safety standards, said the new rules don't' favor one type of selfdriving system over another, and that raft of changes it announced will help all self-driving automakers."No ADS company is hurt by these changes," the agency said in statement to The Associated Press, using the acronym for Automatic Driving System. It added that the changes also make "With ADS, no driver is present meaning stronger safety protocols are needed."Waymo declined to comment for this story. The AP reached out to Tesla but did not receive a reply. Under the change, any Level 2 crash that is so bad it needs a tow truck to come will no longer be required to be reported if it doesn't result in death or injury or airbag deployment. But if a tow truck is called for crashes of vehicles using ADS, it has to be reported.



- After your documents are verified, your date of birth will be updated within a few days.
- You'll receive a slip with a tracking number to
- check the status of your update request online. Once updated, you can download the updated

Aadhaar card from the UIDAI website. For any issues, you can contact UIDAI by calling 1947 or emailing help@uidai.gov.in.

Documents needed to update your date of birth in Aadhaar:If you want to correct your date of birth on your Aadhaar card, you'll need to submit any one of these documents:- Marksheet or certificate from a recognized education board or university

India lifted 171 million people from extreme poverty from 2012 to 2022: World Bank

Rural extreme poverty dropped from 18.4 per cent to 2.8 per cent, and urban from 10.7 per cent to 1.1 per cent, narrowing the rural-urban gap from 7.7 to 1.7 percentage points.

NEW DELHI. India has lifted 171 million people from extreme poverty in the decade between 2011-12 and 2022-23, the World Bank said."Over the past decade, India has significantly reduced poverty. Extreme poverty (living on less than USD 2.15 per day) fell from 16.2 per cent in 2011-12 to 2.3 per cent in 2022-23, lifting 171 million people above this line," the World Bank said in its 'Poverty & Equity Brief' on India.It added that rural extreme poverty dropped from 18.4 per cent to 2.8 per cent, and urban from 10.7 per cent to 1.1 per cent, narrowing the rural-urban gap from 7.7 to 1.7 percentage points — a 16

per cent annual decline. The brief said that India also transitioned into the lower-middle-income category. Using the USD 3.65 per day LMIC poverty line, poverty fell from 61.8 per cent to 28.1 per cent, lifting 378 million people out of poverty.

Rural poverty dropped from 69 per cent to 32.5 per cent, and urban poverty from 43.5 per cent to 17.2 per cent, reducing the rural-urban gap from 25 to 15 percentage points with a 7 per cent annual decline. India's five most populous states — Uttar Pradesh, Maharashtra, Bihar, West Bengal, and Madhya Pradesh—accounted for 65 per cent of the country's extreme poor in 2011-12 and contributed to two-thirds of the overall decline in extreme poverty by 2022-23, it

said.Nevertheless, these states still accounted for 54 per cent of India's extremely poor (2022-23) and 51 per cent of the multidimensionally poor (2019-21)," the brief said, adding that as measured by the multidimensional

poverty index (MPI), non-monetary poverty declined from 53.8 per cent in 2005-06 to 16.4 per cent by 2019-21.

The brief added that employment growth has outpaced the working-age population since 2021-22. Employment



rates, especially among women, are rising, and urban unemployment fell to 6.6 per cent in Q1 FY24/25, the lowest since 2017-18. Recent data indicates a shift of male workers from rural to urban areas for the first time since 2018-19,

while rural female employment in agriculture has grown. Highlighting the challenges that persist, the brief said that youth unemployment is 13.3 per cent, increasing to 29 per cent among tertiary education graduates. Only 23 per cent of non-farm paid jobs are formal, and most

agricultural employment remains informal. Selfemployment is rising, especially among rural workers and women. Despite female employment rate of 31 per cent, gender disparities remain, with 234 million more men in paid work. The World Bank Poverty and Equity Briefs (PEBs) highlight poverty, shared prosperity and inequality trends for over 100 developing countries.

The briefs are released twice a year for the Spring and Annual

Meetings of the World Bank Group and International Monetary Fund and help users understand a country's poverty and inequality context at-a-glance and seek to keep poverty reduction on top of the world's agenda.

POK flood alert after Pakistan accuses India of Jhelum water release: Report

The allegations came after India decided to suspend the 1960 Indus Waters Treaty, in response to the deadly terror attack in Pahalgam carried out by Pakistanbased terrorists.

Students forced to offer namaz

at NCC camp in Chhattisgarh, 7

NEW DELHI. Eight people, including seven teachers,

were booked on Saturday for allegedly forcing some

students of Guru Ghasidas Central University to offer

namaz during an NCC camp in Chhattigarh's Bilaspur

district, a police official said. They forced 159 students

to offer namaz during the camp held between March 26

to April 1 in Shivtarai village under Kota police station

limits, though only four among them were Muslims, he

said. A probe was instituted after students came back and

protested, following which right wing outfits too

agitated seeking action against those responsible, the

The incident took place on March 31. Bilaspur Senior

Superintendent of Police Rajnesh Singh had constituted

a four member committee under City Superintendent of

Police (Kotwali) Akshay Sabadra to investigate the

matter. The case was lodged on Saturday after the

investigation report was submitted to the SSP," he said.

A case was registered against Dilip Jha, Madhulika Singh,

Jyoti Verma, Neeraj Kumari, Prashant Vaishnav,

Suryabhan Singh and Basant Kumar, who are teachers at

Guru Ghasidas Central University, and team core

leader-cum-student Ayushman Chaudhary under

Bharatiya Nyaya Sanhita sections 196 (b), 197 (1) (b)

(c), 299, 302, 190 of BNS and section 4 of Chhattisgarh

The case was registered at Koni police station and the case

diary has been sent to Kota police station for further

Pahalgam terror attack case on

Religious Freedom Act, the official said.

NIA takes over probe into

government's orders

investigation, he added.

teachers charged

the two neighbours escalated after the Pahalgam terror attack, in which 26 Indian tourists were killed, Pakistan accused India of suddenly releasing water into the Jhelum river without informing Pakistani authorities on Saturday.A report by Dunya News said a sudden surge in the water levels of the river was witnessed near Muzaffarabad in Pakistan occupied Kashmir and blamed India for it.

The local administration imposed a water emergency in Hattian Bala, which is roughly 40 km from Muzaffarabad on the banks of Jhelum river. The locals were also warned through announcements in mosques. The report said that the among the residents living near riverbanks.

The water entered from Kashmir's Anantnag and rose through the

occupied Kashmir, the report stated. Pakistani authorities condemned it and called it "complete violation of international rules and water agreements". The allegations came after India decided to suspend the 1960 Indus Waters Treaty, in response to the deadly terror attack in Pahalgam carried out by

Pakistan-based terrorists. The Indian government declared that the treaty will remain suspended until Pakistan "credibly and irreversibly" abjures its support for cross-border terrorism.

announcement has created panic WHAT IS INDUS WATERS TREATY?

Brokered by the World Bank and signed in 1960, the Indus Waters Treaty has long been hailed as a rare



instance of sustained cooperation between India and Pakistan. Under the agreement, India was granted exclusive control over the eastern rivers — Ravi, Beas, and Sutlej while Pakistan was given rights over the western rivers - Indus, Jhelum, and Chenab — despite their origins in Indian territory in Jammu and Kashmir. The treaty has endured through wars and diplomatic breakdowns, but the

which claimed the lives of security personnel and civilians, appears to have redrawn the lines.

HOW WILL IT IMPACT PAKISTAN?

The decision is poised to have far-reaching consequences for Pakistan. The country is heavily dependent on the Indus River system for its agriculture, which forms the backbone of its economy.

Nearly 90% of Pakistan's irrigation depends on water from the Indus

Any disruption — or even the perception of future disruption in water supply from the western rivers could exacerbate water scarcity, reduce crop yields, and fuel domestic unrest, especially in the already water-stressed provinces of Punjab and Sindh.

Soon, all-EV fleet at Asola Bhatti Wildlife Sanctuary to supply essentials to maintain 'safe environment for animals'

...The move comes in the wake of the observation that animals are in distress due to pollution



NEW DELHI. The Delhi government is planning to replace all existing petrol, diesel, and CNG vehicles -such as trucks, jeeps, cars, motorcycles, and utility vehicles -that are currently used for supplying food, water, and other essentials at the Asola Bhatti Wildlife Sanctuary, with electric vehicles (Evs). The move comes in the wake of the observation that animals are in distress due to pollution.

Delhi Forest and Wildlife Minister Manjinder Singh Sirsa on Saturday said, "There are about a hundred vehicles, including trucks and jeeps, being used in the wildlife sanctuary for the supply of food and water, as well as for other purposes. These vehicles are used for official purposes only, but we have observed that petrol and diesel vehicles negatively affect the environment and disturb the animals here."

"Trucks and jeeps also create noise and vehicular pollution, which distresses the animals. There are a good number of leopards, deer, reptiles, and butterflies here, all of which roam freely. However, when they hear any noise, they either hide or lie down. To create a safer and more pleasant environment for both animals and visitors, and to boost tourism, the government plans to replace such vehicles with Evs," he added.

The Minister underlined that he has directed the officials concerned in the Forest and Wildlife Department to propose an EV fleet and develop charging stations within the next six months. "The department also plans to hire egolf carts and e-cycles for visitors. About 9-10 carts have already arrived and will soon be available for public use. We have also observed that e-trucks are available. Soon, the department will begin hiring e-vehicles," said the Minister.

The Asola Bhatti Wildlife Sanctuary, located in South East Delhi, covers an area of 32 square kilometers, and sees tourist activities, such as birdwatching, nature walks, and Neeli Jheel drives. Under the birdwatching trail, there are the Blue Bull Trail (5 km), Sandgrouse Trail (3.5 km), Sparrow Trail (2.5 km), and Palash Trail (2 km).

Commonly seen birds include Peafowl, Common Woodshrike, Sirkeer Malkoha, Indian Scops Owl, Black Eagles, and Oriental Scops Owl. The nature walk starts from the Tughlakabad Gate, which covers Butterfly Park (4 acres), Aravalli Forest Centre (4 acres), and a Jungle Walk (1.5 km).

According to officials, the sanctuary is home to over 25 mammals, 240 reptiles, 86 butterfly species, 250 birds, and 15 species of dragonflies. Neelgai, golden jackals, mongooses, and spotted deer are among the

Delhi govt dissolves management committees in schools, fresh elections on May 9

New Delhi. All existing school management committees (SMCs) in Delhi's government schools have been dissolved with immediate effect as per a recent circular by the Directorate of Education (DoE). According to the Thursday circular, fresh elections will now be held on May 9 to form new SMCs. Election committees, headed by the school head and a teacher convener, will be in charge of the election process.

An SMC is responsible for monitoring the school's functioning, identifying students and teachers' needs, and monitoring admissions, among other key tasks. It comprises 12 parent members, a school principal, a member teacher, an elected representative of the local authority and a social worker, as per government norms. Its tenure is two years. The DoE has issued strict directions for the election of new

How can parents apply?

To file a nomination, parents must submit their details, including their name, address, phone number, and a



photograph, along with their child's name and class details. They must also describe how they plan to contribute to the school if elected and collect signatures of support from five other parents. The school-level election committee will carefully check the nominations by May 7. The final list of candidates will be posted on the school's notice board for all parents to see before the election day.

The voting is scheduled to take place on May 9, with morning shift schools holding it from 8 am to 11 am, and evening shift schools from 1 pm to 4 pm. No loudspeakers, posters, or

crowding will be allowed in or near the school premises.

District-wise, a three-member permanent core group (PCG), consisting of a school head and two teachers, is also to be set up by deputy directors of education (DDE), which will decide on the appointment of social workers to the SMC.

The PCG is also tasked with overseeing the election process and, after the SMC formation, ensuring that it adheres to norms and coordinates with the State Council of Educational Research and Training (SCERT), Delhi, for training purposes. These social workers must apply online, and those showing "very strong aptitude and a natural inclination towards serving the cause of education" with a "verifiable track record" are to be preferred.A newly elected SMC must have at least 50 per cent women members and at least one member from Scheduled Castes (SC), Scheduled Tribes (ST), Other Backward Classes (OBC), or the Economically Weaker Sections

Jamia Millia Islamia University students allege harassment by admin

NEW DELHI. Over two months after 17 students were suspended from the Jamia Millia Islamia University, before

the suspension was revoked following a Delhi High Court order, students on Saturday issued a statement alleging continued harassment by the university administration.

The students alleged that the authority has written letters to students who were earlier suspended, directing them to sign a Bond of Good Conduct and has also demanded a fine of Rs 5,000 and Rs 3,000 from two protesting students,

Saurabh and Niranjan, respectively. While the Delhi High Court has already

with 6 other students, it's completely arbitrary to impose such conditions on revocation of suspension of Saurabh,



while the matter is subjudice. The students are treated as criminals made to incur constant harassment on part of the administration and Jamia Nagar police station," students said.

> Despite attempts by this newspaper, the Jamia administration did not respond to the charges.

Meanwhile, students alleged they were being issued notices directing them to comply with conditions set by the university, including signing a Bond of Good Conduct, for expressing their dissent. "Students are being mentally harassed by summoning them for police interrogation, especially on

working days, which is severely affecting academics," the statement

animals found here. without any circumstantial evidences, stayed the suspension of Saurabh along Have nowhere to go: Pakistani Hindu refugees' future in limbo amid visa suspension

NEW DELHI. Anti-terror body, National Investigation Agency (NIA), has begun the process of formally taking over the Pahalgam terror attack case, in which 26 innocent tourists were mercilessly shot dead on Tuesday, following orders from the Union Ministry of Home Affairs (MHA).

NIA teams, which have been camping at the terror attack site since Wednesday, have intensified the search for evidence. The teams, overseen by senior-ranked officials from the anti-terror agency, are examining the eyewitnesses who had seen the horrifying attack unfold before their eyes in the peaceful and picturesque Baisaran valley. The eyewitnesses are being questioned in minute detail to piece together the sequence of events that led to one of the worst terror attacks in Kashmir.

The entry and exit points are being closely scrutinised by the investigating NIA teams for clues to the modus operandi of the terrorists. The teams, aided by forensic and other experts, are checking the entire area thoroughly for evidence to expose the terror conspiracy that led to the horrendous attack that has shocked the nation.

...Many refugees are anxious about their status as their visas are renewed every two years and their applications for Indian citizenship under the Citizenship (Amendment) Act, 2019 are still under process.

New Delhi. Gripped with uncertainty over whether they will be allowed to stay or asked to leave, Pakistani Hindu refugees staying at Delhi's Majnu Ka Tila fear for their future after India suspended visa services for Pakistani nationals.India announced on Thursday that all visas issued to Pakistani nationals would be

revoked from April 27 and asked these people to leave the country as tensions between the two countries escalated after the barbaric terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam left 26 people dead.

While the government later clarified that Long Term Visas (LTVs) already granted to Hindu Pakistani nationals will remain valid, many refugees are anxious about their status as their visas are renewed every two years and their applications for Indian

citizenship under the Citizenship (Amendment) Act, 2019 are still being processed.Sona Das, president of the Hindu refugee community at Majnu Ka Tila, said several families have been living in Delhi for years, renewing their visas periodically after document verification by authorities."Also, many of these families crossed over from Pakistan just one or two months ago, some are living in camps near Majnu Ka Tila, while others have taken shelter under the



Signature Bridge," Das told PTI.Recently, the police asked the refugees to submit their documents for verification to check if anyone was staying illegally or using forged papers, he said."All relevant documents were collected, but people are nervous about what might happen next," he added.Delhi Police officials assured that while the verification drive is underway, they will ensure that no one is harassed unnecessarily."We are simply checking that all migrants have proper documents," an official said. Following the

government's directive, the Delhi Police has launched a drive to ensure that no Pakistani nationals are residing illegally in the capital. Officials said the focus would be on verifying documents of those who recently entered India.

Krishan Lal, another resident of the refugee camp, said he is worried about his family. "My wife, children and brother applied for Indian citizenship, but it hasn't been granted yet," Lal

"I don't know if their visas will now be cancelled or if they will be allowed to stay," he added.Kanhaiya, who runs a small tea stall in Majnu Ka Tila, said he has no home to return to in Pakistan.

There is no one left for us in Pakistan. If we are asked to leave Delhi, we will have nowhere to go and no way to survive," he said.Dayal Das, who heads another refugee camp in the area, said local police contacted him recently, seeking details about the residents who received citizenship, those who have not, and how many new families have arrived.

18 killed, over 700 injured in chemical blast at Iran's biggest port

Dubai. A huge blast probably caused by the explosion of chemical materials killed at least 18 people and injured more than 700 on Saturday at Iran's biggest port, Bandar Abbas, Iranian state media reported.

The explosion, which hit the Shahid Rajaee section of the port, occurred as Iran began a third round of nuclear talks with the United States in Oman, but there was no indication of a link between the two events. Hossein Zafari, a spokesperson for Iran's crisis management organisation, appeared to blame the explosion on poor storage of chemicals in containers at Shahid Rajaee."The cause of the explosion was the chemicals inside the containers," he told Iran's ILNA news agency." Previously, the Director General of Crisis Management had given warnings to this port during their visits and had pointed out the possibility of danger," Zafari said. However, an Iranian government spokesperson said that although chemicals had likely caused the blast, it was not yet possible to determine the exact reason.President Masoud Pezeshkian ordered an investigation of the incident and sent to the site his interior minister, who said efforts were continuing to extinguish the fire and prevent it from spreading to other areas.Iran's official news channels aired footage of a vast black and orange cloud of smoke billowing up above the port in the aftermath of the blast, and an office building with its doors blown off and papers and debris strewn around.Located near the strategic Strait of Hormoz, Shahid Rajaee port is Iran's biggest container hub, handling a majority of the country's container goods, according to state media. The blast shattered windows within a radius of several kilometres and was heard in Qeshm, an island 26 kilometres (16 miles) south ofthe port, Iranian media said. The semi-official Tasnim news agency posted footage of injured men lying on the road being tended to amid scenes of confusion.

State TV earlier reported that poor handling of flammable materials was a "contributing factor" to the explosion. A local crisis management official told state TV that the blast took place after several containers stored at the port exploded.

Trump demands free passage for US ships through Panama and Suez canals

WORLD. Fpresident Donald Trump on Saturday called for US military and commercial vessels to be granted free passage through both the Panama and Suez Canals, intensifying his push to reassert American influence over vital global shipping lanes.

In a post on his Truth Social platform, Trump said he had instructed Secretary of State Marco Rubio to "immediately take care of, and memorialise, this situation," arguing that the United States played a foundational role in the existence and continued operation of both canals. Those canals would not exist without the United States of America," Trump declared.

STORIES YOU MAY LI

The Panama Canal, completed by the US in the early 20th century and handed over to Panama in 1999, remains a critical artery for global trade—especially between the Atlantic and Pacific Oceans. Nearly 40 per cent of US container traffic passes through it each year. The canal is also a key route for both American and Chinese shipping. Since returning to the White House in January, Trump has renewed pressure on Chinese port operators near the Panama Canal and floated aggressive measures to curb Beijing's maritime influence. In February, Panama promised to grant free passage to US warships after Trump criticized China's growing footprint near the waterway and hinted at potential action to "take it back."Tensions have also flared over a proposed sale of Panamanian port assets from Hong Kong-based CK Hutchison Holdings Ltd to a consortium led by US investment giant BlackRock Inc., a deal opposed by China and financial hurdles with Panama.

Trump's latest remarks extended that attention to the Suez Canal, which connects the Mediterranean to the Red Sea through Egypt. The canal is a strategic chokepoint for US naval operations and global commerce, particularly energy shipments.

Abuse Scandals, Disunity And Diplomacy The New Pope's Challenges

Vatican City. Pope Francis's successor will face a litany of challenges, from the place of women and the LGBTQ community in the Catholic Church, to diplomatic challenges in a conflict-riven world.

UnityUniting a divided church will be one of the main tasks facing the new pope.

During his 12-year-long papacy, Francis often came under fire for his more liberal policies, such as welcoming migrants and restricting the use of the Latin Mass.Traditionalists in the United States and Africa in particular were angered by his efforts to give lay people and women a greater role in the Church, and his decision to open the door to blessing same-sex unions. His successor will have to make peace between the Church's conservative and liberal fringes. 'A pope always brings people together," Luxembourger Cardinal Jean-Claude Hollerich told reporters.

"That unity in the church will be very important. But you don't unify the church by going backwards.'

Sexual Abuse Though he brought in a series of measures to combat clerical sexual abuse, victims associations said they were disappointed with Francis, accusing him of not doing enough. The issue remains a major challenge for the Church, with the scandals showing no sign of abating. And it will not be an easy solve. In many African and Asian countries, the subject remains taboo. Even in Europe, Italy has yet to launch an independent investigation into abuse allegations.

US Deports 3 American Children, Including Cancer Patient: Rights Groups

Washington. Three American children aged two, four and seven -- one of whom has a rare form of cancer -- have been deported from the United States alongside their undocumented immigrant mothers, campaigners announced Saturday.

The deportations from the southern state of Louisiana come as President Donald Trump pursues a hard-line immigration policy, calling for mass expulsions of undocumented migrants. The administration of President Donald Trump contends one of the women asked for her child to be sent with her."The New Orleans ICE Field Office deported at least two families, including two mothers and their minor children," the National Immigration Project said in a Saturday statement, referring to the Immigration and Customs Enforcement agency. It said the deportations were hastily ordered, and carried out in the early hours of Friday.

One of the mothers is currently pregnant," the American Civil Liberties Union (ACLU) said in a separate statement, describing the deportations as "illegal and inhumane."One of the US children removed from the country has "a rare form of metastatic cancer" and was deported without medication or medical consultations, the ACLU said.

It added that ICE agents held the families "incommunicado" and failed to facilitate communication between the women and lawyers.'Horrifying And Baffling'

Gracie Willis of the National Immigration Project said in the statement: "What we saw from ICE over the last several days is horrifying and baffling. Families have been ripped apart unnecessarily.""We should be gravely concerned that ICE has been given tacit approval to both detain and deport US citizen children."In the case of one woman and her two-year-old who were deported to Honduras, Federal District Judge Terry Doughty has set a May 16 hearing "in the interest of dispelling our strong suspicion that the government just deported a US citizen with no meaningful process.""The government contends that

this is all okay because the mother wishes that the child be deported with her. But the court doesn't know that," wrote Doughty in a court order dated Friday, highlighting that it is illegal to deport a US citizen.



The girl has only been identified by the initials VML.Attorneys for her father filed an emergency request for a temporary restraining order aimed at obtaining the girl's return. The Trump administration has butted heads with federal judges, rights

groups and Democrats who say he has trampled or ignored constitutional rights in rushing to deport migrants, sometimes without the right to a hearing. In a post on social media Saturday, Trump claimed that

undocumented migrants in the United States were "wreaking havoc like we have never seen before." He dismissed due judicial process around deportations, saying: "It is not possible to have trials for millions and millions of people.""We know who the Criminals are, and we must get them out of the U.S.A. -- and FAST!"On Friday, federal agents arrested a US judge in Wisconsin for allegedly shielding an undocumented migrant. The White House has also defied a Supreme

Court ruling that the Trump administration must "facilitate" the return of Maryland resident Kilmar Abrego Garcia, who was mistakenly deported to a maximum security prison in El Salvador.

Kash Patel condemns Pahalgam attack, pledges FBI support to Indian government

WORLD. FBI Director Kash Patel has condemned the recent terrorist attack that took place on April 22 in Jammu and Kashmir's Pahalgam, in which 26 people, mostly tourists, lost their lives. He called the attack a stark reminder of the persistent global threat of terrorism.

Taking to X, formerly Twitter, Patel expressed condolences to the victims of the attack and pledged continued support to the Indian government.

"The FBI sends our condolences to all the victims of the recent terrorist attack in Kashmir — and will continue offering our full support to the Indian government," Patel wrote. "This is a reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism. Pray for those affected. Thank you to the men and women of law enforcement who answer the call in moments like these," he added. The already strained ties between India and



Pakistan plunged to a new low after 26 people, mostly tourists, were killed in Kashmir by terrorists from The Resistance Front — a group believed to be a proxy of the banned Pakistanbased Lashkar-e-Taiba (LeT).

The April 22 attack at Baisaran meadow in Pahalgam, was the deadliest in Kashmir since the 2019 Pulwama strike that left 40 CRPF personnel dead.In the wake of the deadly terror attack, India announced a set of punitive diplomatic measures against Pakistan, signaling its strongest

response since the 2019 Pulwama strike. The retaliation, spanning trade, diplomatic engagement, soft power, and digital platforms, included an unprecedented suspension of all visa services - including medical visas for Pakistani nationals with immediate effect.India also ordered all Pakistani citizens currently in India to leave, while advising Indian nationals to avoid travel to Pakistan. Additionally, India revoked visas granted under the SAARC Visa Exemption Scheme (SVES) for select categories of Pakistani nationals, instructing those still in the country to depart by Friday evening.And most importantly, New Delhi suspended the Indus Waters Treaty — a decades-old agreement that had endured three wars and numerous terror attacks, including 26/11 and Pulwama. The move is likely to cripple Pakistan's already fragile

Who is Sethuraman Panchanathan Top US scientist quits amid Trump's funding cuts

WORLD. Indian-origin US scientist Sethuraman Panchanathan, who was appointed by President Donald Trump in 2020, has stepped down as Director of the National Science Foundation (NSF), cutting short his six-year term with just over a year remaining. His resignation comes at a time of political headwinds and deep federal cuts targeting agency budgets and the broader federal workforce.In an all-staff memo, Panchanathan stated, "I believe I have done all I can to advance the mission of the agency and feel that it is time for me to pass the baton to new leadership." While he did not explicitly cite reasons, the timing coincides with mounting pressure from the Trump administration to slash NSF's USD 9 billion annual budget, scale down staffing, and cut funding for programs aligned with diversity, equity, and inclusion (DEI) - priorities Panchanathan strongly advocated.

Who is Sethuraman Panchanathan? Born and raised in Chennai, India, Panchanathan is an alumnus of Vivekananda College, the Indian Institute of Science (IISc), and IIT Madras, where he completed his M.Sc. and M.Tech before earning his Ph.D. in Canada.

His early academic focus blossomed into pioneering work in assistive and rehabilitative technologies, human-centered multimedia computing, and haptic user interfaces.Before leading the NSF, Panchanathan



Moskalik was killed in the town of Balashikha, east of Moscow, hours before U.S. President Donald Trump's envoy Steve Witkoff met President Vladimir Putin in

WORLD. Russia's FSB security

service said on Saturday it had detained a suspect over the killing of a senior Russian military officer on Friday by a car bomb. The Kremlin blamed Ukraine for the killing of 59year-old Yaroslav Moskalik, deputy head of the Main Operations Directorate of the General Staff of the Russian Armed Forces. There was no official comment from Kyiv on Moskalik's death. The FSB named the suspect as Ignat Kuzin, saying he was "an agent of the Ukrainian special services". Moskalik was killed in the town of Balashikha, east of Moscow, hours before U.S. President Donald

Trump's envoy Steve Witkoff met told a state TV reporter."It shows once President Vladimir Putin in again that, despite the peace talks, we Moscow. The Kremlin blamed Ukraine must be on guard and understand the for a car bomb that killed a senior nature of this regime." Ukraine's SBU Russian military officer near Moscow intelligence service did not respond to on Friday, hours before US President Donald Trump's envoy Steve Witkoff



was due to meet President Vladimir Putin in Moscow. Witkoff met Putin to discuss US proposals for ending the war, now well into its fourth year."The Kyiv regime once again simply shows its true nature. The Kyiv regime continues to be involved in terrorist activity on the territory of our country," Kremlin spokesman Dmitry Peskov

a request for comment on the killing of Moskalik, who was deputy head of the

Main Operations Directorate of the General Staff of the Russian Armed

That position would have given him an important role in planning Russian military operations, including in Ukraine. State media said he held the rank of lieutenant general. The body of a man, partially covered in a white sheet, lay on the pavement outside the entrance to an apartment building in the town of Balashikha, east of Moscow, near a burnt-out car."The explosion occurred as a result of the detonation of a homemade explosive device filled with destructive elements,"

investigators said in a statement.



served as Executive Vice President at Arizona State University, where he also founded the Center for Cognitive Ubiquitous Computing (CUbiC). His work earned wide acclaim, including for developing technology that improved accessibility for individuals with disabilities. Appointed by President Trump in 2020, Panchanathan's leadership at NSF saw deepened international collaborations, notably the 2023 US-India Initiative on Critical and Emerging Technologies.

Despite his initial appointment under a Republican administration, his strong advocacy for inclusive science and global research partnerships increasingly clashed with a shifting political climate that viewed many of NSF's initiatives as wasteful.

Evils Of Terrorism": FBI Chief Kash Patel Condemns Pahalgam Terror Attack

FBI Chief Kash Patel described the deadly assault as a "reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism."

Washington. Federal Bureau of Investigation (FBI) Director Kash Patel on Sunday condemned the Pahalgam terror attack in Jammu and Kashmir and assured continued support to the Indian government in its fight against terrorism.Mr Patel described the deadly assault as a "reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism."

The brutal attack, which took place on April 22 and claimed 26 lives, was carried out by The Resistance Front (TRF), a proxy of the Pakistan-based Lashkar-e-Taiba (LeT). It has sparked widespread diplomatic and public outrage both within India and internationally. Taking to X, Mr Patel wrote, "The FBI sends our condolences to all the victims of the recent terrorist attack in Kashmir -- and will continue offering our full support to the Indian government."This is a reminder of the constant threats our world faces from the evils of terrorism. Pray for those affected. Thank you to the men and women of law enforcement who answer the call in moments like these," he further added.

In a show of solidarity, former US President Donald Trump also spoke to Prime Minister Narendra Modi a day after the attack, strongly condemning the act of terror."President Donald Trump called PM Narendra Modi and conveyed his deepest

condolences at the loss of innocent lives in the terror attack in Jammu and Kashmir. President Trump strongly condemned the terror attack and expressed full support to India to bring to justice the perpetrators of



this heinous attack. India and the United States stand together in the fight against terror," the Ministry of External Affairs (MEA) posted on X.Although Trump had previously offered to mediate between India and Pakistan during his first term, he

declined to renew that offer when questioned by a reporter during a news gaggle en route to Rome to attend Pope Francis' funeral. Asked whether he was concerned about the situation and if he

planned to speak to the leaders of India and Pakistan, Trump responded, "There have been tensions on that border for 1500 years," rhetorically exaggerating the history of the dispute."But they'll get it figured out one way or the other. I'm sure that I know both leaders," he added.Despite showing no intention to mediate, Trump and his officials were swift to condemn the Pahalgam terror attack and pledge support to India.US Director of National Intelligence Tulsi

Gabbard also extended condolences and support to India's efforts to bring the perpetrators to justice. Posting on X, Gabbard wrote, "We are with you and support you as you hunt down those responsible for this heinous attack."

Genius Virat Kohli is doing nothing extra in IPL 2025 season: RCB assistant coach



New Delhi. RCB's assistant coach Malolan Rangarajan has said that Virat Kohli isn't doing anything extra this season in the IPL as he continues his fine form. Kohli has been the highest run-getter for RCB this season as he has scored 392 runs in 9 matches and is second on the list when it comes to the Orange Cap race. Last season, despite being the highest run-getter in the tournament, Kohli was criticised for his strike-rate. Speaking at the pre-match press conference, Rangarajan said that the team as a whole wasn't striking at the desired rate. The RCB assistant coach said that Kohli has enough experience to know when to take a down a particular bowler."It wasn't only Virat last season who was not batting at the desired strike-rate. It was the whole team. So I think the whole team got together. They were very honest about it, and I'm sure you guys have heard this like a broken record where we said we were very honest together inside a room, and that's precisely what happened. That's part one."Part two is about Virat Kohli as an individual does not need to go and practise extra. He's batted for 20-25 years. He's a genius. He just has to decide what he wants to do and how he wants to take down a particular bowler. And it's very evident that someone like Virat, even after having played for so long, he's constantly looking at.""What more he can do, which to me is unbelievable, the attitude with which he comes into every training session, every match. So with that, I don't think he did anything specifically physically," said

Djokovic faces 'new reality' after losing another opening match in Madrid



MADRID. After losing a second straight opening match and three in a row overall, Novak Djokovic said he was facing a "new reality" in his two decades of pro tennis.

Djokovic's public coming to terms with his rare losing streak came after he fell in straight sets to Matteo Arnaldi in his first match of the Madrid Open on Saturday.

The 37-year-old Djokovic came to Spain after also losing his opener to Alejandro Tabilo at the Monte Carlo Masters two weeks ago and, before that, the Miami Open final."I was hoping I can play one more match than I played in Monte Carlo. (It's) kind of a new reality for me, I have to say, trying to win a match or two, not really thinking about getting far in the tournament," Djokovic said. The struggles by the winner of 24 Grand Slam titles coincide with the start of the clay-court swing culminating in the French Open next month."It's a completely different feeling from what I had in 20-plus years of professional tennis," he said. "It's a challenge for me mentally to really face these kinds of sensations on the court, going out early now regularly in tournaments." Arnaldi won 6-3, 6-4, delaying Djokovic's search for a career 100th title. The Serb was undermined by 32 unforced errors to his opponent's 18 and had his serve broken three times. It was the first meeting between Djokovic and 44thranked Arnaldi of Italy."He's my idol, he's always been," Arnaldi said of Djokovic. "To play him at a stage like this was already a victory for me. He's not at his best right now, so I came on court to try to play my best tennis and win and it happened."Arnaldi raised his arms and turned to the crowd after striking a winner that gave him a second-set break. Djokovic tried to hit right back and had three break points, but Arnaldi rallied to save his serve and finished off the three-time champion.He wrote "OMG" (Oh my god) on the camera when given the marker for the now customary message by the winner to the television audience. Djokovic is still seeking his first title of the season after winning his 99th title last August at the Paris Olympics.

Punjab Kings will not be able to win IPL trophy: Manoj Tiwary makes bold claim

Former India cricketer Manoj Tiwary has made a bold claim, saying that Punjab Kings (PBKS) might not be able to win the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) despite finishing in the top two.a

New Delhi. Former India cricketer Manoj Tiwary feels Punjab Kings (PBKS) will not be able to win the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) due to their head coach Ricky Ponting's preference for foreign players. Punjab's ninth fixture against Kolkata Knight Riders (KKR) got washed out due to rain. Batting first, they posted 201/4 riding on splendid innings from Prabhsimran Singh (83 off 49) and Priyansh Arya (69 off 35).

However, after their dismissals, the team management sent Glenn Maxwell, Marco



Jansen and Josh Inglis over the in-form batters Nehal Wadhera and Shashank Tiwary, who criticised head coach Ricky Ponting for his move and said that the lack

of confidence in Indian batters might lead to their downfall in the ongoing season. Singh. The move didn't go down well with "My gut feeling says that punjab team will not be able to win the #IPL trophy this season because what I saw today when they were

batting was, the coach didn't send Indian inform batters Nehal wadera and Shasank singh, instead he trusted his foreign players to deliver, but they cudnt and clearly showed lack of confidence in Indian players down the order. If he persist in this way then the title is far from them irrespective of there qualification in top two. #KKRvsPBKS," wrote Tiwary on his X account. Shashank has scored 158 runs from seven innings at an average of 52.66 in the ongoing season with one fifty to his name. On the other hand, Nehal Wadhera has accumulated 189 runs from seven innings, having played match-winning knocks against Lucknow Super Giants (LSG) and Royal Challengers Bengaluru (RCB). However, the duo didn't a chance to bat against KKR.

Meanwhile, the match got washed out after incessant rain at the Eden Gardens in Kolkata. Following the washout, they are currently placed fourth on the points table with five wins from nine matches, having 11 points to their name. They will next take on Chennai Super Kings (CSK) on April 30 at MA Chidambaram Stadium, Chennai.

Mayank Yadav to play against MI LSG drops massive hint before IPL 2025 clash

New Delhi. Lucknow Super Giants (LSG) dropped a massive hint on fast bowler Mayank Yadav before their Indian Premier League (IPL) 2025 clash against five-time champions Mumbai Indians (MI) on Sunday, April 27 at the iconic Wankhede Stadium.On Saturday, April 26, LSG dropped a video on their social media account as a build-up to the clash against MI where Mayank can be seen in the Lucknow jersey.Captioning the video, LSG wrote, 'Kal dikhega tabadtod andaz", which roughly translates to "Tomorrow, a fierce style will be seen." Mayank hasn't played any form of cricket since India's T20I series against Bangladesh back in October 2024. The speedster, however, recovered from his back and toe injuries, and rejoined the LSG squad before the clash against Rajasthan Royals (RR) on April 19.In LSG's previous match against Axar Patel's Delhi Capitals However, the Super Giants preferred young (DC) on April 22 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium



in Lucknow, Mayank was one of their Impact Player options.

batter Ayush Badoni over Mayank after subbing out Mitchell Marsh. It now remains to be seen if Mayank takes the field against MI, as LSG are still some distance away from qualifying for the playoffs.Last year, Mayank burst onto the scene as one of the fastest bowlers India have ever produced. In one of the matches against Royal Challengers Bengaluru (RCB) at the M. Chinnaswamy Stadium, Mayank clocked a staggering 156.7 kmph.

He also won back-to-back Player of the Match awards against Punjab Kings (PBKS) and RCB. But the pacer's campaign was cut short due to injury after only three games when where he picked up seven wickets at an economy rate of 6.98. The Super Giants are currently placed sixth in the table with 10 points and a net run

rate of -0.054 thanks to wins in five out of nine games. But they would want to make amends for their eight-wicket loss to the

Jake Fraser-McGurk hints at new approach to return to form for **Delhi Capitals**

New Delhi. Delhi Capitals and Australia opener Jake Fraser-McGurk emphasised that he is eager to return to his usual run-scoring form for his IPL franchise, but with a more controlled approach. After a slow start for DC in the ongoing IPL 2025 season, the Australian star is aiming for a comeback by moving away from the mindset of trying to hit every ball for six. Speaking at the pre-match press conference ahead of DC's clash against Royal Challengers Bengaluru on April 27, Fraser-McGurk reflected on the contrast between his form from IPL 2024 and the ongoing season and how he is planning to get back into run-scoring form for his side.

"I'd obviously love to have more runs next to my name. But that's the way cricket is sometimes. You go through highs and lows. I think the IPL has shown both sides of that for me - last year and this year," Fraser-McGurk said."The most important thing is staying level throughout - whether you're going well or not. My role is to get the team off to a good start, but it doesn't mean trying to hit every ball for six. I'm working really hard with myself and my coaches to get back to my best

Nicholas Pooran on relationship with Rishabh Pant: We connect through shared trauma

New Delhi. Lucknow Super Giants players respective journeys but the bright side is difference this season is that Pooran has a few common threads between them. Not only are they two of the most talented wicketkeeper-batters in the world, but they are also bound by trauma. Pooran and Pant both survived car accidents and made a comeback to professional cricket after facing career-threatening injuries. The Caribbean opened up about the shared trauma and said that they try to help each

other through it. In January 2015, Pooran, all of 19, suffered a near-fatal car accident in St Mary's, Trinidad. He was wheelchair-bound for a considerable period with multiple surgeries on his knees and ankle. In December 2022, Pant survived a horrific car crash when he was driving back home to Roorkee from Delhi."Even before the incident we (him and Pant) had a good relationship. We always connect. We always chat, get together whenever we can. If he's in the Caribbean or if I'm here," Pooran told PTI in an interview."Accident is just something which was really unfortunate in our wonderful feeling. But yeah, we share our



experiences. We try to help each other as much as we can," Pooran added.Batting at No.3Pooran has been one of the best players in the Indian Premier League this season, carrying forward his form from 2024, where he had scored 499 runs. However, the main year.So, has there been a change in the

mindset from the last couple of seasons? My mindset is the same. Try to win games whenever I get an opportunity. Obviously, it and contribute how I can," he added. is a different role batting at number 5 or 6.

more balls. That's something I wanted to capitalise on especially going into the

So it's all about taking the opportunity and doing what the team requires," said with a 200-plus strike rate among the current top-10 run-getters in the IPL.Pooran is one of the rare overseas batters in world cricket who play spin well. The superstar reasoned that while the familiarity with the conditions helped, what really worked out well for him was his ability to read the ball from the hand of the spinners."I've played in India for a while now. The tracks are a bit similar like what we get back home, where the pitches do

not have a lot of bounce.



Fraser-McGurk has only been able to score 55 Batting at No. 3, I get an opportunity to face runs in his six IPL 2025 matches, registering two ducks and just one double-digit score - a 38 against Sunrisers Hyderabad. This eventually led to him getting dropped from the side's last two clashes against Gujarat Titans and Lucknow Super Giants.

Pooran. The West Indian is the only batter While DC have tried at least four different opening combinations following the off-form of Fraser-McGurk and the injury to Faf du Plessis, it is unlikely the side will again change their current combination of Abhishek Porel and Karun Nair, both of whom played impressively against LSG in their last match. While JFM impressed many with his big-hitting skills in IPL 2024, it remains to be seen whether the 23-year-old can regain his lost touch if he receives another chance in DC's clash against RCB.

MI vs LSG, IPL 2025 match preview: Predicted 11s, team news, pitch and weather conditions

An upbeat and confident MI will look to continue their winning run in IPL 2025 as LSG comes to town for a clash at the Wankhede stadium. All eyes will be on Rohit Sharma and Rishabh Pant, who are at the opposite ends of the spectrum when it comes to form.

New Delhi. Mumbai Indians and Lucknow Super Giants will lock horns at the iconic Wankhede stadium on Sunday, April 27 and the focus will be firmly on two players. Rohit Sharma, the MI legend who struggled in the initial phase of the IPL 2025 season, has revitalised himself in the

last few games to roar back into form. With a touch of vintage Rohit and sticking to his selfless and intent-filled approach, the MI opener hit back-toback fifties to remind everyone once again that class is permanent.On the other side, Rishabh Pant is wondering what he should do to get back into form. 106 runs from 110 balls in 9 matches doesn't paint a great picture for a man Lucknow spent Rs. 27 Crore on and it was visible that the wicketkeeper was frustrated during their last game against DC as he was seen having an animated chat with mentor Zaheer Khan in the dugout. Apart from these two men, the main point of discussion will be if MI can take revenge against LSG for their earlier loss in the season. In the match in Lucknow, MI lost by 12 runs at the end as the batters were unable to chase down 204



runs for the win. It was also the match where MI decided to retire out Tilak Varma, a controversial call at the time. Since then, MI have regained their form and have knitted together a four-match winning run and are back in the play-off spots. They're currently 4th on the table, but level on points with Lucknow, making this a massive 4-pointer.

MI vs LSG: Head to Head

When it comes to the head-to-head records, LSG are way ahead of MI. Both teams have played 7 matches so far and Lucknow lead it 6-1.

MI vs LSG: Team news

MI will be aiming to keep the winning momentum going and won't tinker around a lot with their team line-ups. An injury concern for Mumbai was Karn Sharma, who suffered a split webbing against SRH at home. Kieron

Pollard, during the press conference, said that the veteran spinner has been training with the team over the past few days and a final call will be made on gameday.For LSG, all eyes will be on Mayank Yadav. The fiery pacer was on the impact subs bench for the loss to DC as he was deemed to be fit. It will be interesting to see if LSG will unleash him against MI at the Wankhede stadium.

Monday, 28 April 2025 Priyanka Chopra Turns Up

The Heat In Swimsuit At Her **LA House Infinity Pool**



t's a lazy Saturday afternoon for Priyanka Chopra. The actor is enjoying an off day from work, doing everything she can to rejuvenate after hectic shoot days. After enjoying a swim at her Los Angeles house's infinity pool, the actor worked out at the gym and enjoyed some self-care time with sheet masks and hydra facials. Priyanka Chopra's Saturday carousal began with pictures from her pool session. Looking hot in a mustard-coloured swimsuit, the actor was seen taking a dip at her house pool. She was then seen working out at the gym, followed by facials and a relaxing massage. The last picture was of her glowing skin after a day full of pampering herself. "Various ways I self care when I can. What are your favorite self care routines? Happy Saturday," she wrote. Take a look

Meanwhile, Priyanka Chopra plays a pivotal role in Heads Of State, as seen in the recently-released trailer. During the shoot, the actor would often share glimpses of her injuries that took place during the filming of fight sequences in the high-octane actioner. Sharing the official poster of the upcoming a ction-comedy Heads of State, Jonas enthusiastically wrote, "So pumped for this! @priyankachopra such a bada*s."Directed by Ilya Naishuller, the film features Priyanka alongside prominent actors Idris Elba and John Cena. Heads of State is slated to premiere on Prime Video on July 2. On Wednesday, the film's makers released its highly anticipated first trailer, offering a glimpse into the action-packed narrative.

Priyanka Chopra steps into the role of Noel Bisset, an MI6 agent who comes to the aid of John Cena and Idris Elba's characters after their diplomatic mission is violently interrupted mid-flight. She teams up with another crucial ally, played by Jack Quaid. The trailer teases Chopra's action-packed journey, showcasing her in adrenaline-fuelled sequences as she battles attackers and navigates life-threatening situations. The storyline revolves around her intense race against time to complete a critical, high-stakes

Ranbir Kapoor 'Begged' Deepika Padukone For Another Chance After Cheating **Multiple Times: 'I Caught Him Red-Handed'**



Padukone dated for a few years when they newly entered the Hindi film industry. However, after a whirlwind romance, their relationship came to a bitter end when Deepika caught the actor cheating on her. In an old interview quoted by Cosmopolitan, Deepika opened up about her heartbreak.Deepika said, as quoted by the publication, "If I'm going to be fooling around, why would I be in a relationship? It's better to be single and have fun. But not everyone thinks like that. Maybe that's why I've been hurt in the past. I was foolish enough to give him (Ranbir) a second chance because he begged and pleaded, despite the fact that everyone around me said he was still straying. Then I actually caught him red-handed. It took me a while to get out. But having done that,



nothing can make me go back. That ship has sailed.'

She added, "The first time he cheated on me, I thought there was something wrong with the relationship, or me. But when someone makes a habit of it, you know the problem lies with him. I give a lot in relationships, and don't really expect much in return. But infidelity is the deal breaker. Once it comes in, respect goes away, trust goes away and these are the pillars of a relationship you can't f*ck around with it.""It made me realise I should not be so attached to one thing or a person – after the break-up, the fact that I had to pick myself up. I cried a lot after my break-up. But I have become a better person, and I thank him for that," Deepika concluded.

Years after their breakup, Deepika married Ranveer Singh, and Ranbir tied the knot with Alia Bhatt. The four now share a good friendship and are girl

tatehi On Being Accepted By Indian Audience: 'Something I Could Have Never Dreamt Of'

ora Fatehi, known for her dance performances in popular songs like Dilbar, O Saki Saki and Ek Toh Kum Zindagani, as well as roles in films like Roar: Tigers of the Sundarbans and Street Dancer 3D, has a long and inspirational journey in Bollywood. The actress, who hails from Toronto, recently reflected back on her initial days in the industry. She also expressed her gratitude towards her Indian fans to accept her like their own. In a video shared on Instagram, featuring Nora Fatehi's candid conversation with Z100, the radio station in New York, revealed unknown anecdotes from her professional journey. She shared, "I'm from Toronto, born and raised, and my parents are Moroccan, North African. (I) left Toronto when I was 22-23, went to India to pursue a Bollywood career."

Revealing how she landed up in Bollywood, she continued, "With no ties to India, nothing. I just, I don't know what hit me that day, and I'm just like, I'm gonna do this.

And picked up all my bags, moved to India, and started a long, hustling journey to make it in Bollywood."

Mid-way in the interview, the host also wondered if Nora's heart is in India. Nodding in a firm affirmation, she said, "You say 100% India. Of course, yeah. Because look, honestly, before I went to India, I was just Nora from Jane and Finch. Jane and Finch is like the hood in



"They created Nora Fetahi. And the love and the affection I get from the audience of 1.3 billion people is insane. It's something I could have never dreamt of, and I owe everything to India and the South Asian community, because they've, even though I'm not Indian, they've accepted me like their own," she elaborated, expressing her heartfelt gratitude for the love and acceptance she received from the Indian audience.

Coming to her professional front, Nora Fatehi made her acting debut in 2014 with the film Roar: Tigers of the Sundarbans. Later, she appeared in a number of multi-language films, web series and shows like Temper, Baahubali: The Beginning, Kick 2, Double Barrel, Kayamkulam Kochunni, Bigg Boss, Jhalak Dikhhla Jaa and others.



Turns Up The Heat In Latex **Bodysuit, Sets Internet Ablaze**

alaika Arora knows how to command the spotlight — and she just did it again with her latest jaw-dropping look. The Bollywood diva sent the internet into a frenzy as She captioned the post, "Meow." Fans couldn't get she dropped a series of smouldering pictures and a reel from her recent photoshoot on Instagram, where she's seen channelling bold, unapologetic glamour like only she can. In the reel, Malaika is

seen rocking a sleek, jet-black latex bodysuit that hugs her curves to perfection, accentuating her statuesque figure. The edgy, highgloss outfit, featuring a daring front zipper detail, gave off major powerdressing vibes, while her thigh-high boots with deep maroon accents added a pop of dramatic flair. Her hair - styled straight and flowing created a dynamic, cinematic effect as she twirled and posed against a spotlight, casting fierce shadows that amped up the overall aesthetic.

Malaika complemented her bold look with statement silver earrings and kept her makeup sultry yet sophisticated — think bold eyeliner,

bronzed cheeks, and nude lips. Every frame captured her effortless confidence, proving once again why she's considered one of Bollywood's most timeless fashion icons.In a particularly captivating moment from the shoot, Malaika is seen striking powerful poses, flipping her hair with effortless drama, and flashing her signature

smouldering expressions. Whether she was caught mid-movement or holding a pose, her presence was magnetic and spellbinding.

enough, flooding the comments section with fire emojis, hearts, and praises. Some hailed her as the "ultimate fashion queen," while others admired her for "redefining age and style like no one



else."Currently, Malaika is judging Hip Hop India 2 alongside choreographer Remo D'Souza. She has long been a fixture on various dance reality shows. Malaika was previously married to actor Arbaaz Khan, with whom she shares a son, Arhaan Khan. She was also in a high-profile relationship with Arjun Kapoor until their recent breakup.

